

ब्रीफ न्यूज

केंद्र ने दी पीएम मित्र पार्क की सौगात, सीएम ने माना आभार
भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार जिले में निर्माणधीन प्रधानमंत्री मित्र पार्क के प्रथम चरण में अधोसंरचना विकास की प्रक्रिया आरंभ होने पर पीएम मोदी और केंद्रीय कपड़ा मंत्री का हृदय से आभार माना है। केंद्र सरकार द्वारा धार की 2158 एकड़ भूमि पर लगभग 2050 करोड़ की लागत से विकसित हो रहे पीएम मित्र पार्क के लिए हाल ही में 773 करोड़ रुपए लागत के टेंडर जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल मध्यप्रदेश में कपड़ा उद्योग को नई गति प्रदान करेगी। मध्यप्रदेश लगातार विकसित राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग कल करेगा जनसुनवाई

भोपाल। प्रदेश की पिछड़े वर्ग की जातियों को केन्द्र की सूची में शामिल करने के संबंध में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग 4 जुलाई 2025 को भोपाल में जन सुनवाई करेगा। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर और आयोग के सदस्य भूवन भूषण कमल जनसुनवाई करेंगे। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की जनसुनवाई राज्य अतिथि गृह लालघाटी में 4 जुलाई को सुबह 11 बजे से शुरू होगी। इसमें मध्यप्रदेश की पिछड़े वर्ग की 32 जातियों को केन्द्र की सूची में शामिल करने पर सुनवाई करेंगे। उक्त जानकारी आयुक्त पिछड़ा वर्ग ने दी है।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर को सजा, इंटरपोल ने दी बधाई

भोपाल।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में वन एवं वन्य-जीव संरक्षण के किए जा रहे समग्र प्रयासों के अंतर्गत वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स भोपाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा, जो मूल रूप से तिब्बत का निवासी है, जिसे 9 साल की कड़ी मेहनत के बाद पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया था। आरोपी शेरपा को 9 मई को 5 वर्ष की सजा दी गई है। इंटरपोल मुख्यालय ल्योन, फ्रांस ने अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा के सफलतापूर्वक सजा दिलवाने की उत्कृष्ट कार्रवाई के लिए मध्यप्रदेश वन विभाग को बधाई दी है।

स्पोर्ट व्हीलचेयर से होगा अच्छा प्रदर्शन प्रदेश का नाम करेंगी रोशन

पैरा खिलाड़ी मनस्विता तिवारी की राह हुई आसान

सत्ता सुधार ■ भोपाल

पैरा एथलीट मनस्विता तिवारी अब और भी अच्छा प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकेंगी। उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के निर्देश पर एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा पैरा खिलाड़ी मनस्विता तिवारी को मंगलवार को जनसुनवाई में स्पोर्ट्स व्हीलचेयर प्रदान की गई है। बता दें मनस्विता तिवारी पैरा एथलीट हैं और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। मनस्विता तिवारी की माता कल्पना तिवारी ने बताया कि मनस्विता पैरा स्विमिंग, पैरा कैनोइंग, ताइक्वांडो खिलाड़ी हैं। मनस्विता ने पैरा स्विमिंग व पैरा कैनोइंग में राष्ट्रीय खेलों में 17 गोल्ड मेडल, 5 सिल्वर मेडल तथा 3 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं। वही ताइक्वांडो में 01 स्वर्ण पदक व 1 रजत पदक प्राप्त किया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के साथ प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री ने की चर्चा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नवाचारों और प्रगति से कराया अवगत



सत्ता सुधार ■ भोपाल

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को भोपाल में भेंट कर उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा को लेकर सारगर्भित चर्चा की। परमार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में राज्य शासन के नीतिगत निर्णयों, शिक्षा में किए जा रहे कार्यों एवं नवाचारों से अवगत कराया।

मंत्री परमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसरण में प्रदेश के समस्त जिलों में स्थापित किए गए प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ

प्रदेश में मातृ भाषा हिंदी को दिया जाए बढ़ावा

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा है कि प्रदेश में स्कूल शिक्षा में हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप श्रेष्ठ कार्य किया जा रहा है। प्रधान को स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में 4473 शासकीय स्कूलों में पूर्व प्राथमिक कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। इन शालाओं में करीब एक लाख बच्चे नामांकित हैं। प्रदेश में ड्राप-आउट बच्चों की संख्या दर कम करने के लिए स्कूलों में नामांकन बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने केंद्रीय मंत्री को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के बारे में भी जानकारी दी।

एक्सीलेंस और उनमें भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ की स्थापना एवं प्रगति के सम्बन्ध में अवगत कराया। श्री परमार ने पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परम्परा के दृगति से समावेश के लिए विभिन्न कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों से प्राप्त अनुसंसाओं की जानकारी भी दी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान को उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा में भारतीय भाषा के

अब लुधियाना के उद्योगपति ‘एडवांटेज एमपी’ के सुअवसरों से होंगे रूबरू

मुख्यमंत्री 7 को इंटरएक्टिव सेशन और उद्योगपतियों से करेंगे संवाद

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश में निवेश के नए द्वार खोलने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में चल रही औद्योगिक संवाद श्रृंखला में प्रमुख इंटरएक्टिव सेशन लुधियाना में 7 जुलाई 2025 को होने जा रहा है। बैंगलुरु और सूरत में निवेशकों से मिले सकारात्मक प्रतिसाद के बाद अब लुधियाना में तीसरा इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपोर्चूनिटीज इन मध्यप्रदेश आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री लुधियाना के प्रमुख उद्योगपतियों, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर के निवेशकों के साथ सीधे संवाद करेंगे। यह आयोजन केवल विचारों के आदान-प्रदान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें संभावित निवेश प्रस्तावों पर ठोस चर्चा भी की जाएगी। मध्यप्रदेश की नई औद्योगिक नीति, सेक्टर-फोकस्ड रणनीतियां और ग्राउंड-रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर इस संवाद का केंद्रीय आकर्षण होंगे। लुधियाना की पहचान भारत के विनिर्माण हब के रूप में रही है, विशेष रूप से वस्त्र और मशीनरी निर्माण में लुधियाना की विशेष पहचान है। ऐसे में इस क्षेत्र के उद्यमियों का ध्यान मध्यप्रदेश में निवेश की

संभावनाओं की ओर आकृष्ट करने के लिए यह सेशन महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य की विशेष औद्योगिक परियोजनाओं-जैसे एमपी टेक्सटाइल पार्क, पीएम मित्रा पार्क, इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी और फूड प्रोसेसिंग क्लस्टर विस्तार से जानकारी देंगे।

बैंगलुरु में आईटी और इनोवेशन से जुड़े निवेशकों के साथ संवाद और सूरत में टेक्सटाइल और डायमंड इंडस्ट्री के उद्योगपतियों से मिली अभूतपूर्व प्रतिक्रिया के

बाद लुधियाना का यह सेशन उद्योग जगत के लिए एक और सुअवसर बनने जा रहा है जिसमें देश के हृदय स्थल मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं से परिचित होंगे। मध्यप्रदेश विकल्प ही नहीं बल्कि प्राथमिक निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है। सीएम की यह यात्रा उद्योग जगत को यह विश्वास दिलाएगी कि निवेश केवल समझौते तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि नीति, प्रक्रिया और प्रदर्शन तीनों स्तर पर मध्यप्रदेश पूरी तैयारी के साथ भागीदार बनेगा।

प्रदेश में बनेगा ‘जियो और जीने दो’ की तर्ज पर वन्य-जीव संरक्षण ईको-सिस्टम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य में ‘जियो और जीने दो’ की भावना को केंद्र में रखकर सह-अस्तित्व आधारित ईको-सिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिससे न केवल जैव विविधता का संरक्षण हो रहा है, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है और वनवासियों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में कई नवाचार किए जा रहे हैं इनमें वन्यजीव अभयारण्यों के संरक्षण और प्रबंधन में उच्च तकनीक का अनुप्रयोग, गुजरात के ‘वनतारा’ से प्रेरित रेस्क्यू सेंटर, दुर्लभ जीवों जैसे चीते, घड़ियाल एवं कछुओं के एक अभयारण्य से दूसरे में पुनर्स्थापन और संरक्षित क्षेत्रों की फेंसिंग शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों को गुजरात के ‘वनतारा’ वन्यजीव पुनर्वास केंद्र का अध्ययन कर प्रदेश में भी ऐसा ही रेस्क्यू और एनिमल वेलफेयर प्रोजेक्ट स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल वन्यजीवों के संरक्षण और पुनर्वास में एक नई मिसाल पेश करेगी। उन्होंने प्रदेश के घने वनों और वन्यजीव पर्यटन को राजस्व वृद्धि का एक प्रमुख माध्यम बताया। उन्होंने वन अधिकारी-कर्मचारियों के लिए विशेष सुविधाओं और उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रोत्साहन की घोषणा की।

मुख्यमंत्री के वन्य-जीव रेस्क्यू सेंटर विकसित करने के निर्देश पर अमल
‘वनतारा’ वन्यजीव पुनर्वास केंद्र का अध्ययन कर प्रदेश में भी ऐसा ही रेस्क्यू और एनिमल वेलफेयर प्रोजेक्ट स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल वन्यजीवों के संरक्षण और पुनर्वास में एक नई मिसाल पेश करेगी। उन्होंने प्रदेश के घने वनों और वन्यजीव पर्यटन को राजस्व वृद्धि का एक प्रमुख माध्यम बताया। उन्होंने वन अधिकारी-कर्मचारियों के लिए विशेष सुविधाओं और उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रोत्साहन की घोषणा की।

राजस्व में होगी उल्लेखनीय वृद्धि
उन्होंने यह भी बताया कि वन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रदेश में वन क्षेत्र और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश में वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया जारी है। जैव-विविधता को बढ़ावा देने के लिए कई स्थलों को जैव-विविधता विरासत घोषित किया गया है। वन-अग्नि की घटनाओं पर विभाग की प्रतिक्रिया अब पहले से अधिक त्वरित हुई है, जो प्रभावी वन प्रबंधन को दर्शाता है।

शहडोल सांसद ने सरकारी स्कूल में कराया बेटी का एडमिशन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह ने अपनी बेटी गिरीश नंदिनी सिंह का एडमिशन अनूपपुर जिले के ग्राम राजेंद्र के शासकीय प्राथमिक कन्या विद्यालय में कराया है। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने सांसद हिमाद्री सिंह के इस निर्णय की सराहना की। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि इस सकारात्मक संदेश से अन्य जन-प्रतिनिधियों एवं नागरिकों को प्रेरणा मिलेगी। जन-सामान्य में सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता के प्रति उनका विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने प्रदेश अध्यक्ष बनने पर हेमंत खंडेलवाल को दी बधाई

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने भाजपा के मध्य प्रदेश संगठन इकाई के निर्वाचन में हेमंत खंडेलवाल के निर्विरोध निर्वाचन पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की हैं। उन्होंने कहा है कि हेमंत खंडेलवाल का सौदीर्घकालीन संगठनात्मक अनुभव, संगठन के प्रति निष्ठा, प्रतिबद्धता, सहजता, सादगी एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीय लगाव उनके इस पद पर चयन को प्रतिपादित करता है। उन्होंने कहा कि खंडेलवाल बैतूल संसदीय क्षेत्र से सांसद एवं बैतूल

विधानसभा से दो बार विधायक निर्वाचित हुए हैं। खंडेलवाल बैतूल जिला संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एवं कुशाभाउ ठकुरे भवन निर्माण समिति के प्रमुख एवं प्रदेश संगठन में कोषाध्यक्ष भी रहे हैं। उनका संगठनात्मक अनुभव कार्यकर्ताओं को नई दिशा प्रदान करने में सहायक होगा। तोमर ने कहा कि मुझे विश्वास है कि हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में प्रदेश संगठन नई ऊर्जा, नवाचार और समन्वय के साथ और अधिक सशक्त होगा और कार्यकर्ताओं को केंद्र में रखकर राष्ट्र प्रथम के हमारे ध्येय की ओर अग्रसर होगा।

विरोध

राजनीतिक द्वेष भावना से दर्ज झूठी एफआईआर निरस्त की जाए : डॉ. देवेन्द्र शर्मा

पटवारी के खिलाफ झूठी एफआईआर को लेकर कांग्रेस ने दिया दो घंटे मौन धरना

सत्ता सुधार ■ भोपाल/ग्वालियर

मज्र कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज की गई जिसके विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा की नेतृत्व एवं राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, बालेंद्र शुक्ला, प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा एवं विधायक सुरेश राजे की मौजूदगी में फूलबाग स्थित गांधी उद्यान में शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने 2 घंटे का मौन धरना दिया और धरने खत्म होने के बाद पुलिस महानिदेशक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

को ज्ञापन सौंपा। जानकारी के मुताबिक सौंपे गए ज्ञापन में कांग्रेसजनों ने कहा कि पुलिस थाना मुंगावली में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के विरुद्ध मनगढ़ूते झूठे तथ्यों के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें उल्लेखित किया गया है कि गजराज लोधी एवं रघुराज लोधी निवासी ग्राम मुंडरा थाना मुंगावली जिला अशोकनगर के साथ सरपंच के पुत्र विकास एवं उनके साथियों द्वारा दोनों लोधी भाइयों के साथ मारपीट की गई, उनकी मोटर साइकिल छीन ली गई है, उक्त घटना के संबंध में 25 जून को प्रदेश अध्यक्ष पटवारी

के ओझर दौरा कार्यक्रम के दौरान भेंट कराई गई जिसमें आरोप लगाया गया कि पटवारी ने गजराज लोधी एवं रघुराज लोधी पीड़ित भाइयों को यह समझाया कि यह कहना कि तुम्हें मारपीट के साथ मानव मल भी खिलाया गया, यदि ऐसा कहोगे तब बाइक भी दूंगा और परिवार का ध्यान भी रखूंगा। उक्त घटनाक्रम के वार्तालाप को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा घटना के विवरण का वीडियो वायरल किया गया।

वीडियो वायरल होने पर जिला कलेक्टर अशोकनगर द्वारा पीड़ित लोधी बंधुओं को तलब किया गया और मानव मल खिलाने की

शर्माना घटना से उनके जिले की बदनामी रोकने के उद्देश्य से डरा धमकाकर पीड़ित व्यक्तियों से शपथ पत्र लिया गया जिसमें उपरोक्त घटनाक्रम के संबंध में लिखा गया जो पुलिस में दर्ज एफआईआर में उल्लेखित है।

हैरानी की बात यह है कि उन परिस्थितियों की जांच होनी चाहिए कि पीड़ित व्यक्तियों द्वारा पटवारी को अपनी शिकायत दर्ज कराई हो और उसके दूसरे दिन वह बिना किसी कारण के कैसे कलेक्टर अशोकनगर को शपथ पत्र दे सकते

हैं कि मानव मल खिलाने का स्टेटमेंट पटवारी के कहने पर दिया गया है यह राजनीतिक द्वेष भावना से किया जाने वाला षड्यंत्र है। देवेन्द्र वर्मा ने कि पटवारी राजनीतिक तौर पर विपक्षी दल के प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते उनका का यह कर्तव्य है कि वह प्रदेश में हो रहे व्यक्तियों के साथ अन्याय, अत्याचार को रोकने के लिए आवाज उठाएं। पीड़ितों की मदद करें उनके द्वारा ऐसा ही कर्तव्य निभाया गया है। ना कि किसी को साजिश की गई जैसा कि पुलिस द्वारा अपनी एफआईआर में उल्लेखित किया गया है। पटवारी

द्वारा वायरल किए गए वीडियो को स्पष्ट तौर पर देखा व सुना जा सकता है जिसमें पीड़ित लोधी बंधु रोते-बिलखते हुए अपनी शिकायत बता रहे हैं और न्याय दिलाने की गुहार कर रहे हैं। शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने मांग की है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के विरुद्ध दर्ज झूठी एफआईआर निरस्त की जाए और प्रदेश में कानून व्यवस्था को उचित ढंग से प्रभावशील किया जाए जिससे कि भविष्य में प्रदेश की जनता के साथ होने वाली अनाचार एवं अत्याचार की घटनाओं को रोका जा सके जो कि न्यायचित होगा।धरने में प्रदेश राहुल शर्मा,

महाराज सिंह पटेल, राम पांडे, आरपी सिंह, आसिफ उस्मानी, राशिद उस्मानी, अब्दुल हुसैन, दशरथ सिंह गुर्जर, वीर सिंह तोमर, प्रभूदयाल जोहरे, हेवरन सिंह कंसाना, सुरेन्द्र यादव, चतुर्भुज घनोलिया, संजय सिंह यादव, सरमन राय, जेएच जाफरी, जयराज सिंह चौहान, सीमा समाधिषा, दर्शन मिश्रा, मौनू परिहार, हरेन्द्र गुर्जर, उपेन्द्र सिंह राजपूत, कैलाश चावला, संजीव दीक्षित, नाजिम खान, सलमान शेख, मुन्नालाल खरे, ओमप्रकाश सिंह सिकरवार समेत अनेक कांग्रेसजन मौजूद थे।

अपात्र होने के बावजूद मुफ्त सुविधा लेने पर हो सकती है रिकवरी

अंततः धोखाधड़ी के आरोपी मुकेश अग्रवाल से छिनी पुलिस सुरक्षा

सत्ता सुधार ■ ज्वालियर

अंततः धोखाधड़ी के आरोपी मुकेश अग्रवाल को प्रदाय की जा रही पुलिस सुरक्षा छीन ली गई है। इस संबंध में बीते 10 जून के अंक में दैनिक सत्तासुधार द्वारा प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई थी, जिसके माध्यम से जब उक्त मामला आला पुलिस अफसरों के संज्ञान में आया, तो मुकेश को दी जा रही उक्त सुविधा को वापस ले लिया गया। वहीं अपात्र होने के बावजूद वर्षों से मुफ्त में इस सुविधा का लाभ उठा रहे मुकेश से अब इसके लिए रिकवरी भी की जा सकती है।

यहां बता दें कि रजिस्ट्रार कार्यालय के पास स्थित 2687 वर्ग फीट जमीन की बिक्री में कथित फर्जीवाड़ा किए जाने के मामले में गजेन्द्र पांडेय की याचिका पर सुनवाई करते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार ने बीती 19 फरवरी को आरोपी मुकेश अग्रवाल और दलवीर



सिंह कंसाना के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। जिस पर विश्वविद्यालय थाना पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया था। इसके बाद उक्त पूरे मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसका मुख्य कारण मुकेश अग्रवाल के ऊपर

सीनियर पुलिस ऑफिसर्स की विशेष कृपा दृष्टि होना है। जो उसकी गिरफ्तारी करवाना तो दूर उल्टा शासन पर बोझा डालते हुए उसे पुलिस सुरक्षा मुहैया उपलब्ध करवाए हुए हैं। दरअसल चमक-दमक के बलबूते पर मुकेश ने अफसरों में अपनी धाक जमा रखी है, जिस वजह से वह

उसकी खिदमत करने में लगे हुए हैं।

शर्मा बंधु पर निकाली थी दो करोड़ रुपए की रिकवरी

यहां बताना गौरतलब होगा कि ऐसे ही एक मामले में महलगांव निवासी संजय शर्मा एवं दिलीप शर्मा का है। उन्हें भी पुलिस विभाग

की ओर से वर्षों तक मुफ्त सुरक्षा प्रदान की जाती रही। जिसमें शिकवे- शिकायत होने पर उनके ऊपर करीब दो करोड़ रुपए की रिकवरी निकाली गई है, जिसे वह किरतों में जमा भी करवा रहे हैं। अब जबकि मुकेश अग्रवाल को दी जा रही मुफ्त सुरक्षा को छीन लिया गया है, तो लाजिमी है कि उस पर भी इस सुविधा को भोगने के एवज में भारी- भरकम रिकवरी निकाली दी जाए।

महिला पुलिस अधिकारी से की थी अभद्रता

मुकेश अग्रवाल को पैसे का कितना गुरूर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है, कि जब महिला पुलिस अधिकारी द्वारा उन्हें यातायात नियम का उल्लंघन करते हुए पकड़ा गया था, तब मुकेश द्वारा उक्त महिला अधिकारी से भी काफी अभद्रता की गई थी। उक्त मामले ने समाचार पत्रों में खूब सुर्खियां भी बंटोरी थी।

आरटीआई में निकाली थी जानकारी

धोखाधड़ी के आरोपी मुकेश अग्रवाल को मुफ्त में पुलिस सुरक्षा उपलब्ध करवाए जाने के मामले आरटीआई के तहत पुलिस विभाग से जानकारी मांगी गई थी। जिसमें बताया गया कि पुलिस मुख्यालय के आदेश से 30 अक्टूबर 2020 से उसे एक सुरक्षा गार्ड नियुक्त प्रत्यक्ष किया हुआ है। इस आधार पर ही दैनिक सत्तासुधार द्वारा प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया गया था।

इनका कहना है

मुकेश अग्रवाल को प्रदान की गई मुफ्त पुलिस सुरक्षा हथ दी गई है। यदि वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से रिकवरी के लिए आदेश मिलेगा, तो उसका भी पालन किया जाएगा।

रणजीत सिंह सिकरवार आरआई, ज्वालियर

एमआईटीएस-डीम्ड विश्वविद्यालय की टीम वृत्तम ने राष्ट्रीय हैकाथॉन में प्रथम स्थान प्राप्त किया

ज्वालियर। माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (डीयू), ज्वालियर की टीम 'वृत्तम' ने एबीवी-आईआईआईटीएम ज्वालियर में 27 से 29 जून तक आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की हैकाथॉन प्रतियोगिता में आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया ट्रैक के तहत प्रथम स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि विजेता टीम में युवराज तिवारी, मोक्ष डंडेलिया, सुयश खरे और अंकित गुजर शामिल थे। टीम का मार्गदर्शन डॉ. नीरज मिश्रा द्वारा किया गया। टीम वृत्तम ने एक अत्याधुनिक, पूर्णतः स्वायत्त क्राइकोंपटर प्रणाली विकसित की है, जो उन्नत इमेज प्रोसेसिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एल्गोरिदम से सुसज्जित है। यह प्रणाली विमानों के रनवे पर फॉरेन ऑब्जेक्ट डेटेक्शन (एफओडी) – जैसे लोह अवशेष, बाधाएं, गड्ढे या रनवे की क्षति—की पहचान करने में सक्षम है, जो उड़ान भरने और लैंडिंग के समय गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं।

कैसे करता है यह सिस्टम कार्य?

यह स्वायत्त ड्रोन रनवे पर लगातार निगरानी करते हुए उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरों की मदद से सतह की तस्वीरें लेता है। ये तस्वीरें तुरंत ऑनबोर्ड एआई मॉडल द्वारा विश्लेषित की जाती हैं, जो संदिग्ध वस्तुओं, दारों या अन्य खतरों की पहचान करता है। इसके साथ ही, यह सिस्टम जीपीएस के ज़रिए खतरनाक वस्तुओं की सटीक लोकेशन दर्ज करता है और उसे मैप पर दर्शाता है। यदि जरूरत हो तो यह ड्राय रिफ़्ल-टाइम में संबंधित कंट्रोल रूम या ऑपरेटर को भी भेजा जा सकता है। इसमें एक ग्राउंड बेस्ड यूनिट भी है, जो ड्रोन से समन्वय कर और अधिक बारीकी से विश्लेषण करने में मदद करती है।



अवैध हथियार रखने वालों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

अलग- अलग कार्रवाई में कट्टाधारी तीन बदमाश धरे

ज्वालियर। अवैध हथियार रखने वालों पर पुलिस द्वारा शिकंजा कसा जा रहा है। जिसके चलते अलग- अलग कार्रवाई में कट्टाधारी तीन बदमाशों को पुलिस ने दबोचा है। पकड़े आरोपियों के खिलाफ आ स एक्ट के तहत कायमी कर उनसे पूछताछ की जा रही है, कि वह यह अवैध हथियार कहां से लेकर आए थे तथा किस मकसद से उसे लेकर घूम रहे थे। अपराध पर अंकुश लगाने के मकसद से एसएसपी धर्मवीर सिंह के निर्देश पर पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने व इनकी खरीद- फरो त करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुरानी छावनी थाना पुलिस ने मंगलवार रात गश्त के दौरान जिमसीली रोड स्थित रेलवे पट्टरी के पास से विशाल जोशी पुत्र स्व. रमेश जोशी (24) निवासी गिरगांव थाना महाराजपुरा को गिर तार किया है, जिसके कब्जे से 315 बोर का कट्टा व दो कारतूस बरामद हुए हैं। उधर डबरा सिटी थाना पुलिस द्वारा नहर रोड पर कठऊ पुलिसिया के पास से अवैध हथियार लेकर घूम रहे एक आरोपी को पकड़ा है, जिसके पास से 315 बोर का कट्टा एवं एक खाली खोखा जब्त हुआ है। डबरा सिटी थाना पुलिस ने ही मुखबिर की सूचना पर बल्ला का डेरा में एक अन्य कार्रवाई करते हुए गौरव उर्फ सु खा गुजर पुत्र दिलीप गुजर (19) निवासी जोरासी मंदिर के पास थाना बिलौआ को 315 बोर के लोडेड कट्टे के साथ गिर तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ पुलिस द्वारा धारा 25/27 आ स एक्ट के तहत कायमी की गई है।

रोटरी क्लब सेंटरल ने किया 26 यूनिट रक्तदान

सत्ता सुधार ■ ज्वालियर

रोटरी क्लब सेंटरल हर वर्ष के भाति इस वर्ष भी नए साल के प्रथम दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन डीडी मॉल में किया। इस कार्यक्रम में 26 से ज्यादा ब्लड यूनिट दान की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर थे। उनके द्वारा ब्लड डोनेशन के सर्टिफिकेट दानवीरों को दिए गए। कार्यक्रम में नवीन अध्यक्ष अनिल गर्ग, कोषाध्यक्ष संजय सप्रा, ज्वाइंट सेक्रेट्री संदीप सिंसोदिया उपस्थित रहे। अक्सिस्टेंट गवर्नर के रूप में रोटे. दीपक बत्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष के.जी. दीक्षित, पवन जैन, पवन गर्ग, राजेश गुप्ता, वीरेंद्र जैन, विद्याभूषण त्यागी, नरेंद्र रोहिरा, विवेक मिश्रा, तपेश मिश्रा, श्याम अग्रवाल उपस्थित



रहे। कार्यक्रम में राम अग्रवाल, मोहन कम्प्यूटर, मनोज गुप्ता, राजेश गुप्ता, हरेंद्र, विशाल बत्रा, अनिल सिंहल, अनिल गांधी आदि उपस्थित रहे। नारी शक्ति के रूप में रोटे. रेखा अग्रवाल, गीता अग्रवाल, रेखा गुप्ता, जानवी रोहिरा, सोनिया सप्रा की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में सीमा गर्ग का विशेष सहयोग मिला।

लायंस क्लब ज्वालियर सिटी ने किया समन

ज्वालियर। लायंस क्लब ज्वालियर सिटी द्वारा लायनरिक्त वर्ष 2025-26 के प्रथम दिन राष्ट्रीय डॉक्टर एवं सी.ए. डे लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 ई-1 के प्रांतपाल लायन सुधीर बाजपेई द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुरूप मनाया गया। जिसके अंतर्गत क्लब के पदाधिकारियों ने क्लब के सदस्य डॉक्टर्स के क्लिनिक, हॉस्पिटल एवं सी.ए. के ऑफिस व प्रतिष्ठानों में जाकर शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष लायन अमित नथानी, मानसंबे सचिव लायन आशुतोष द्विवेदी, कोषाध्यक्ष लायन वैभव सिंघत, पूर्व अध्यक्ष लायन संजीव निगोदिया, पूर्व अध्यक्ष लायन शिवशंकर अग्रवाल, लायन दलजीत सिंह बेदी, लायन ममता शिवशंकर अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक लायन राजीव गुप्ता एवं लायन विनोद गुप्ता आदि उपस्थित थे।



इनका किया सम्मान

लायन डॉ. थॉमस, लायन डॉ. के.के.पांडेय, लायन डॉ. पुखराज गोड, डॉ. धिरंका गौड़, लायन डॉ. राकेश रायजादा, डॉ. अंजली रायजादा, लायन डॉ. अरविंद मित्तल, लायन डॉ. नरेश मंगलानी, डॉ. स्नेहा अग्रवाल, सी.ए. लायन पवन जैन, सी.ए. लायन आलोक सुराना, सी.ए. लायन मनोष गोयल, सी.ए. लायन व्यास

संस्कृति गुरुकुलम-एडु-बर्ड्स में अवेयरनेस सेशन एवं जांच शिविर का आयोजन हुआ

सत्ता सुधार ■ ज्वालियर

कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा अवेयरनेस सेशन एवं जांच शिविर का आयोजन संस्कृति गुरुकुलम-एडु-बर्ड्स में किया गया। स्कूल में सबसे पहले अवेयरनेससत्र में डॉ. अनिल शर्मा हिमेटोऑन्कोलॉजिस्ट, डॉ. चंचल गर्ग डेंटल सर्जन ने 150 बच्चों को बीमारियों के बारे में जागरूक किया। बच्चों को फूड एंड ट्रुटिशन और बैलेंस्ड फूड के महत्व को समझाया। ये सभी बच्चे प्राइमरी और मिडिल स्कूल के हैं, जिन्होंने बड़ी शांति से सारी बातों को सुना



और समझा। इन सभी बच्चों का सामान्य परीक्षण डॉक्टर्स की टीम ने किया और उन्हें हैंड हाइजीन, माउथ डेंटल केयर और पर्सनल केयर की समझाइश दी। कार्यक्रम में अंकित जैन डायरेक्टर-1, संस्कृति गुरुकुलम, ऋषभ जैन डायरेक्टर-

द्विवेदी, श्रीमती वर्षा हिना, श्रीमती श्रद्धा अग्रवाल, श्रीमती कांता शर्मा, श्रीमती रिजु मापूर, श्रीमती भारती धाकड़ एवं सभी टीचिंग फैकल्टीज उपस्थित रहीं। कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की ओर से डॉ. अनिल शर्मा हिमेटोऑन्कोलॉजिस्ट, डॉ. चंचल गर्ग डेंटल सर्जन, डॉ. देवांशु अग्रवाल हेड एंड नैक सर्जन, डॉ. संतोष कुमार प्रोजेक्ट अफसर, सिस्टर लीलममा, सिस्टर रुचि, सिस्टर विनीता, वार्डबॉय मान सिंह, ड्राइवर देवेंद्र पाठक उपस्थित रहे।

होटल हवेली की लॉबी से दिनदहाड़े बाइक चोरी

ज्वालियर। शहर में सक्रिय वाहन चोरों के हॉसले कितने बुलंद हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है, कि सिरोल इलाके में स्थित होटल हवेली की लॉबी से दिनदहाड़े एक बाइक चोरी हो गई। पुलिस द्वारा मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ बाइक चोरी की एफआईआर दर्ज कर उसका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। गोहद (भिंड) निवासी लोकेंद्र सिंह ने सिरोल थाने में शिकायत की है, कि विगत शाम 4.30 बजे के लगभग होटल हवेली की लॉबी में खड़ी उसकी बाइक को कोई अज्ञात चोर पार कर ले गया। जब उसे बाइक नजर नहीं आई, तो उसने आसपास सब जगह उसकी तलाश की, लेकिन कहीं बाइक का पता नहीं लगा। जिस पर वह सूचना देने थाने आया है। पुलिस द्वारा लोकेंद्र सिंह की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसका पता लगाने के लिए घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए जा रहे हैं।

सत्ता सुधार ■ ज्वालियर

तांत्रिक द्वारा झाड़ू- फूंक के बहाने 16 वर्षीय किशोरी को डरा- धमकाकर दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोपी ने पेट दर्द ठीक करने की आड़ में किशोरी को खेत में बनी मड़ैया में बुलाकर वारदात को अंजाम दिया गया। घटना भितरवार थाना इलाके की है, जिसमें पीड़िता की शिकायत पर पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक भौंती (शिवपुरी) निवासी 16 वर्षीय किशोरी को पेट दर्द की शिकायत रहती है। किशोरी की मां ने अपनी बहन को बिटिया की इस परेशानी के बारे में बताया, तो उसने करैरा के ग्राम स मोआ में रहने वाले तांत्रिक पवन शर्मा के



पास उसे ले जाने की सलाह दे डाली, जो झाड़ू- फूंक के जरिए लोगों का इलाज करने का दावा किया करता है। बहन की बात पर भरोसा कर किशोरी की मां ने पवन को कॉल कर उससे संपर्क किया, तो उसने फोन पर ही किशोरी का इलाज कर दिया, जिससे उसे कुछ आराम मिल गया।



निवासी धर्मेन्द्र कुशवाह पेशे से मजदूर है। जिसने पैसे बचाकर मकान बनाने के लिए कुछ जमीन खरीदी है। जिसे घर के पीछे रहने वाला सुनील सोलंकी अपनी बताते हुए उसे हड़पने का प्रयास कर रहा है। इसके लिए उसने मुझ पर फायर भी किया था, लेकिन मैं बच गया। जिसकी शिकायत ज्वालियर थाने में करने पर टीआई द्वारा यह कहकर मुझे भगा दिया गया, कि हमने उसे समझा दिया है, अब वह नहीं आएगा।



है। जिस पर पुलिस अफसरों ने उसे मामले की जांच करवाकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उपनगर ज्वालियर के मेवाती मोहल्ला स्थित जगनापुरा

बनी एक मड़ैया में बुलाया। भाई- बहन वहां पहुंचे, तो तांत्रिक ने इलाज के बहाने किशोरी को भीतर बुलाकर उसके भाई को बाहर भेज दिया। मड़ैया में पवन ने डरा- धमकाकर किशोरी के साथ दुष्कर्म कर डाला। जिसने उसे धमकी दी, कि अगर किसी को भी इस बारे में कुछ बताया तो वह मंत्र शक्तियों से उसे व उसके परिवार को खत्म कर देगा। जिससे किशोरी ने किसी को कुछ नहीं बताया।

ताबीज बनाने बुलाया करियावटी

फोन पर ही किए गए इलाज से आराम मिलने से किशोरी व उसके परिजनों को तांत्रिक पर भरोसा हो गया। इसके बाद उन्होंने किशोरी को उसके भाई के साथ

इलाज के लिए बीती एक जनवरी को पवन के पास करैरा पहुंचाया, तो उसने अपने करियावटी थाना भितरवार जाने की बात कही। फिर वह कहने लगा कि तुम करियावटी ही आ जाओ, वहीं ताबीज बनाकर दे दूंगा। चूँकि करियावटी में किशोरी की मौसी का लड़की की ससुराल है, जिससे किशोरी व उसका भाई करियावटी पहुंच गए। जहां कथित तांत्रिक पवन शर्मा ने उसे खेत में

जताया जान का खतरा

पीड़ित ने बताया कि कार्रवाई नहीं होने से आरोपी के हॉसले बुलंद हो गए हैं। जो आए दिन गाली- गलौज करते हुए धमका रहे हैं। धर्मेन्द्र ने आशंका जताई है, कि अगर कार्रवाई नहीं हुई, तो आरोपी द्वारा कभी भी उसके साथ कोई अनहोनी घटित की जा सकती है, जिससे उसकी जान को खतरा बना हुआ है। जनसुनवाई में मौजूद पुलिस अफसरों ने फरियादी को मामले की जांच कवाक नियम अनुसार कार्रवाई करवाने का आश्वासन दिया है।

पंचायत में भी आरोपी ने धमकाया

पीड़ित किशोरी ने कुछ दिनों बाद अपनी मां को पूरी घटना बताई, तो बीते रोज शिवपुरी के बगीचा वाले हनुमान मंदिर पर दोनों पक्षों की पंचायत हुई। इस दौरान आरोपी और उसके भांजे ने पीड़ित पक्ष को धमकाया कि वह अपनी तंत्र शक्तियों से उनका सर्वनाश कर देगा। किंतु इस बार वह उसके झांसे में नहीं आते हुए सीधे करैरा थाने पहुंचे। जहां से घटनास्थल भितरवार इलाके का होने से उन्हें भितरवार थाने भेजा गया। जहां पुलिस द्वारा पीड़ित किशोरी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ रेप, धमकाने व पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर उसकी गिर तारी के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

इनका कहना है

16 वर्षीय किशोरी ने कथित तांत्रिक द्वारा डरा- धमकाकर दुष्कर्म करने की शिकायत की है, जिस पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है, जिसे जल्द ही अरेस्ट कर लिया जाएगा।

हिंतेन्द्र सिंह राठौर टीआई, भितरवार



लायंस क्लब ज्वालियर कवीन ने किया सम्मान

ज्वालियर। लायंस क्लब ज्वालियर क्वीन द्वारा डॉक्टर एवं सीए डे का आयोजन तिवारी हॉस्पिटल शिंदे की छावनी में किया गया। जिसमें क्लब द्वारा डॉक्टर एवं सीए का सम्मान शॉल, श्रीफल एवं मोमेंटो देकर किया गया। अध्यक्षता लायन संगीता तिवारी ने की। अध्यक्ष लायन संगीता तिवारी ने डॉ.

अनुराधा शर्मा के साथ पांच डॉक्टरों का सम्मान किया। साथ ही सीए मुस्कान अग्रवाल का भी सम्मान किया। इस अवसर पर क्लब की मेटोर लायन राका पाठक, प्रेसिडेंट लायन संगीता तिवारी, सेक्रेटरी लायन छाया कोठारी, आईपीपी लायन पूनम अग्रवाल और क्लब मेंबर उपस्थित रहे।

बीफ न्यूज

चलती बस में भड़की आग, जान बचाने के लिए यात्री कूदें

ग्वालियर। भुरेना लिंक हाईवे पर पुरानी छवनी चौराहा के पास एक वोडियो कोच बस में अचानक से आग लग गई। अचानक भड़की आग से यात्रियों के बीच अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। आग इतनी तेजी से भड़की कि यात्रि अपनी जान बचाने के लिए चलती बस से कूद गए जिससे उन्हें चोटें भी आईं। पुरानी छवनी ऋतुराज होटल के पास चलती बस में आग की सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकल टीम भी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू कर लिया।गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। यह पूरा घटना सड़क पर भारी दहशत का कारण बन गई। घटना पुरानी छवनी चौराहा के ऋतुराज होटल के सामने की है। बताया जा रहा है कि सड़क पर दौड़ रही बस में अचानक धुआं उठना शुरू हुआ और देखते ही देखते चंद सैकंड में लकड़ी की बस बर्निंग बस में बदल गई। बस में जिस समय आग लगी उस दौरान बस के अंदर यात्री सवार थे। जैसे ही उन्होंने बस में आग लगेते देखा, अपनी जान की परवाह किए बिना ही बाहर की ओर कूदने लगे। इधर सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने काड़ी मशकूत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक बस पूरी तरह से जलकर खाल हो चुकी थी लेकिन गनीमत रही कि किसी सवारी को किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है।

जीआरएमसी की बायोकेमिस्ट्री लैब को एनएबीएल एंट्री लेवल मान्यता

ग्वालियर। जीआरएमसी की बायोकेमिस्ट्री लैब को एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। लैब को नेशनल एक्क्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड क्लिब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल) से एंटी लेवल की मान्यता मिल गई है। इस संधि के तहत नये से अब बायोकेमिस्ट्री लैब में की जाने वाली 25 प्रकार की जांचों की विवसनीयता में बढ़ोत्तरी होगी। मरीजों को जांच रिपोर्ट में अधिक सटीकता और भरोसेमंद परिणाम मिल सकेंगे, जिससे इलाज की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

होल्डर में बलब लगाते समय महिला को लगा करंट, हुई घायल

भितरवार। भितरवार के बेलगड थाना क्षेत्र के ग्राम रमजीपुर में एक 45 वर्षीय महिला को बिजली के होल्डर में बलब लगाते समय करंट लग गया जिससे वह घायल हो गई,



जिसे परिजन 108 एंबुलेंस की सहायता से भितरवार अस्पताल लेकर आए जहां उसका इलाज किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार रमजीपुर गांव निवासी 45 वर्षीय रेखा जाटव पत्नी इंदल सिंह जाटव मंगलवार की शाम लगभग 4 बजे घर में लगे बिजली के होल्डर में लगे बलब के खराब हो जाने पर उसे बदलने का कार्य कर रही थी तभी उसे जोरदार करंट का झटका लगा जिससे वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ी। जैसे ही परिवार जिन्होंने महिला को करंट खाकर जमीन पर गिरते देखा तो वह घबरा गए और तत्काल उन्होंने 108 एंबुलेंस को सूचना दी सूचना लगने के बाद पहाली 108 एंबुलेंस घायल महिला को भितरवार के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आई जहां उसका उपचार चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है।

खेतों पर मोटर के तार लगाते समय युवक को लगा करंट हुई मौत

भितरवार। बुधवार की दोपहर भितरवार तहसील क्षेत्र से सटे खिलपुरी जिले के ग्राम दौदी नगरा के पास एक बड़ी दुर्घदा घटना घटित हुई जिसमें 35 वर्षीय युवक को खेतों पर मोटर के तार लगाते समय करंट लग गया और उसकी मौत हो गई, परिजन जैसे भितरवार की सामुदायिक अस्पताल लेकर आए जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया फिर भी परिवार जन अपनी संतुष्टि के लिए अपने निजी वाहन से उसे ग्वालियर ले गए जहां भी चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया

महल रोड निगम के लिए बनी मुरीबत, अब तक 12 बार धंसकने में सड़क ने बनाया रिकॉर्ड



सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शहर की बहुचर्चित चेतकपुरी रोड धसकने के मामले में कीर्तिमान बना चुकी है जो देशभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थिति यह है कि जब भी बारिश होती है यह सड़क सुरंगों में तब्दली हो जाती है। हैरानी की बात है कि जब भी बारिश हुई तब-तब यह सड़क न सिर्फ धसकी बल्कि कई-कई फीट सुरंगनुमा गड्ढे हो गए। इसको लेकर कलेक्टर ने जहां जांच के आदेश दिए वहीं अब प्रभारी मंत्री ने अभियान चलाकर मरम्मत के निर्देश दिए हैं।

खास बात यह है कि यह सड़क केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के महल जय विलास के

सामने से होकर गुजरती है। जहां सबसे ज्यादा सड़क धंसकने की घटनाएं हो रही है वह महल रोड से कुछ ही दूरी पर कुलदीप नर्सरी वाले चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थिति यह है कि जब भी बारिश होती है यह सड़क सुरंगों में तब्दली हो जाती है। हैरानी की बात है कि जब भी बारिश हुई तब-तब यह सड़क न सिर्फ धसकी बल्कि कई-कई फीट सुरंगनुमा गड्ढे हो गए। इसको लेकर कलेक्टर ने जहां जांच के आदेश दिए वहीं अब प्रभारी मंत्री ने अभियान चलाकर मरम्मत के निर्देश दिए हैं।

खास बात यह है कि यह सड़क केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के महल जय विलास के सामने से होकर गुजरती है। जहां सबसे ज्यादा सड़क धंसकने की घटनाएं हो रही है वह महल रोड से कुछ ही दूरी पर कुलदीप नर्सरी वाले चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थिति यह है कि जब भी बारिश होती है यह सड़क सुरंगों में तब्दली हो जाती है। हैरानी की बात है कि जब भी बारिश हुई तब-तब यह सड़क न सिर्फ धसकी बल्कि कई-कई फीट सुरंगनुमा गड्ढे हो गए। इसको लेकर कलेक्टर ने जहां जांच के आदेश दिए वहीं अब प्रभारी मंत्री ने अभियान चलाकर मरम्मत के निर्देश दिए हैं।

सांखनी गांव में दबंगों ने बनाई बाउंड्री वॉल पर प्रशासन बुलडोजर चला कर हटाया अतिक्रमण

भितरवार। भितरवार विकासखंड की ग्राम पंचायत सांखनी में ग्राम पंचायत द्वारा पानी की निकासी के लिए बनाए गए नाले पर ग्राम के ही कुछ दबंगों के द्वारा दबंगता पूर्वक अतिक्रमण करते हुए बाउंड्री वॉल खड़ी करके पानी निकासी का रास्ता बंद कर दिया था जिसके चलते रह वासियों के घरों में बारिश का पानी भर रहा था जिसकी शिकायत मिलने पर बुधवार को प्रशासन ने दबंगों द्वारा बनाई गई बाउंड्री वॉल पर बुलडोजर चलाकर पानी की निकासी शुरू कराई। बता दें कि पिछले दिनों ग्राम सांखनी के कुछ दबंग लोगों के द्वारा रातों रात बाउंड्री वॉल बनाकर गांव के मुख्य नाले को बंद कर दिया गया था। इसके चलते नाले का पानी सड़क पर भर रहा था। यहां तक की बारिश होने के बाद यह पानी लोगों के घरों के अंदर तक पहुंच रहा था। इससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। लोगों के घरों से निकलने वाला गंदा पानी एवं बारिश का पानी आगे न जाने के कारण मोहल्ले में ही जमा हो रहा था जिससे लोगों को आवगमन में तो परेशानी हो ही रही थी साथ ही लोगों के घरों के अंदर भी बारिश के पानी के साथ गंदा पानी पहुंच रहा था जिसको लेकर रहसुरी ग्रामीण काफी परेशान थे जिसकी शिकायत लेकर पिछले दिनों ग्रामीण ग्वालियर कलेक्टर के पास भी पहुंचे जहां उन्होंने भितरवार की स्थानीय प्रशासन को पानी की निकासी के इंतजाम शीघ्रता पूर्वक करने के निर्देश दिए थे इस दौरान प्रमुख रूप से राजस्व निरीक्षक सुरेश चंद नागर ,ग्राम पंचायत सरपंच विनोद वंशकार, ग्राम पंचायत सचिव मोहन स्वरूप भागव, ग्राम रोजगार सहायक दीपक पंडा आदि उपस्थित रहे

मुवितधाम में सफाई एवं प्रकाश की व्यवस्था में जुटा निकाय प्रशासन

सत्ता सुधार ■ भितरवार

भितरवार नगर के वार्ड क्रमांक 14 में गरीबी निकाय प्रशासन द्वारा बनाए गए मुवितधाम में सफाई और बिजली की व्यवस्था न होने के कारण तीन रोज पहले भितरवार के बायो वूड प्रताप सिंह किरार की मौत हो जाने के बाद उसके परिवारजन उनका अंतिम संस्कार करने के लिए वार्ड क्रमांक 14 के मुवितधाम पहुंचे थे जहां मुक्ति धाम में सफाई और उचित प्रकाश की व्यवस्था न होने के कारण अंतिम संस्कार में शामिल लोगों को मोबाइल टॉर्च और टैक्टर की लाइट जलाकर रोशनी करना पड़ी जिसमें परिवार जनों के द्वारा उनका अंतिम संस्कार किया गया था। जिसको लेकर 29 जून 2025 के दैनिक सत्ता सुधार समाचार पत्र में उक्त खबर को प्राथमिकता के साथ प्रकाशित किया था जिसका संज्ञान लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेश चंद्र जाटव के द्वारा मुक्तिधाम में सफाई के साथ ही हर हमेशा प्रकाश की व्यवस्था बनी रहे जिसको लेकर बिजली के खंबे लगवाने का काम शुरू कराया।

नामांकन विज्ञापित / आम सूचना

एम्बू द्वारा सर्वसाधन को सुचित किया जात है नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्र अंतर्गत मेरी संखित थे. क्र. 22 वार्ड क्र. 52, भवन क्र. स्थान: विश्व कौलीनी-लिकमनर लिप्ते कौलीनी परसित है जो कि बी/बीसी समान रहन गबबर / अरविन्द वलन गबबर के नाम से नगर निगम में आई.डी. क्र. 1000158363अत वार्ड है। जिसका क्षेत्रफल 1150 वर्गफुट है। उक्त संखित को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड डिप्लम-पत्र क्र. MP142602016 A3268019 दिनांक 13.05.2025 के द्वारा प्राप्त किया गया है उक्त संखित का मेरे द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के अंतर्गत की पूर्ति सम्पत्तिकर एवं अन्य उम्कर की वसूली हेतु नगमन अवेदन जमिन सम्पन्न केन्द्र जयपुरी से.क्र. 22 पर दिनांक 02.07.2025 को किया गया है जिसका आवेदन कार्य क्र 87/2015/20929/20666/प.क्र. "3/11 है। उक्त के संभव में यदि किसी को अपत्ति हो तो कार्यालय अदुकर, नगर निगम ग्वालियर, सिटीसेन्टर में रिक्त सम्पत्तिकर विभाग कक्ष क्र. 202, 205 में प्रखरान दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी अपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। निम्न अवधि परवक्त कोई अपत्ति मय नहीं होगी एवं उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जायेगा।

अवेदक का नाम/पता
उर्मिला / श्री रामपीत सिंह
पता: जिनै, वार्ड -62
दिनांक जर्जी दिनांक: 02-07-2025

नामांकन विज्ञापित / आम सूचना

एम्बू द्वारा सर्वसाधन को सुचित किया जात है नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्र अंतर्गत मेरी संखित थे. क्र. 22 वार्ड क्र. 62, भवन क्र. स्थान: ललन का बजार वैसे जी की गली पर सित है जो कि बी/बीसी नगी ओझा / श्री नमनकन ओझा के नाम से नगर निगम में आई.डी. क्र. 9000025340 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल 1770 वर्गफुट निर्मित है। उक्त संखित को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड डिप्लम-पत्र क्र. A3/72 दिनांक 01.06.2004 के द्वारा प्राप्त किया गया है उक्त संखित का मेरे द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के अंतर्गत की पूर्ति सम्पत्तिकर एवं अन्य उम्कर की वसूली हेतु नगमन अवेदन जमिन सम्पन्न केन्द्र जयपुरी से.क्र. 22 पर दिनांक 02.07.2025 को किया गया है जिसका आवेदन कार्य क्र 87/2015/20930/20667/प.क्र. "3/11 है। उक्त के संभव में यदि किसी को अपत्ति हो तो कार्यालय अदुकर, नगर निगम ग्वालियर, सिटीसेन्टर में रिक्त सम्पत्तिकर विभाग कक्ष क्र. 202, 205 में प्रखरान दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी अपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। निम्न अवधि परवक्त कोई अपत्ति मय नहीं होगी एवं उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जायेगा।

अवेदक का नाम/पता
गीता ओझा / श्री अर्णद सिंह
पता: 505 का भाग, बलसोरी दुम, वार्ड -62
दिनांक जर्जी दिनांक: 02-07-2025

नामांकन विज्ञापित / आम सूचना

एम्बू द्वारा सर्वसाधन को सुचित किया जात है नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्र अंतर्गत मेरी संखित थे. क्र. 21 वार्ड क्र. 52, भवन क्र. स्थान: उर्मिला विश्व कौलीनी-लिकमनर लिप्ते कौलीनी परसित है जो कि बी/बीसी समान रहन गबबर / अरविन्द वलन गबबर के नाम से नगर निगम में आई.डी. क्र. 1000158363अत वार्ड है। जिसका क्षेत्रफल 1150 वर्गफुट है। उक्त संखित को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड डिप्लम-पत्र क्र. MP142602016 A3268019 दिनांक 13.05.2025 के द्वारा प्राप्त किया गया है उक्त संखित का मेरे द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के अंतर्गत की पूर्ति सम्पत्तिकर एवं अन्य उम्कर की वसूली हेतु नगमन अवेदन जमिन सम्पन्न केन्द्र जयपुरी से.क्र. 22 पर दिनांक 02.07.2025 को किया गया है जिसका आवेदन कार्य क्र.73/2010/68695/68699/प.क्र. "3/11 है। उक्त के संभव में यदि किसी को अपत्ति हो तो कार्यालय अदुकर, नगर निगम ग्वालियर, सिटीसेन्टर में रिक्त सम्पत्तिकर विभाग कक्ष क्र. 202, 205 में प्रखरान दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी अपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। निम्न अवधि परवक्त कोई अपत्ति मय नहीं होगी एवं उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जायेगा।

अवेदक का नाम/पता
वोनेश राजनगौर / अर्जुन राजनगौर
पता: उर्मिला विश्व कौलीनी, पिन: 9027166454
दिनांक जर्जी दिनांक: 02-07-2025

नामांकन विज्ञापित / आम सूचना

एम्बू द्वारा सर्वसाधन को सुचित किया जात है नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्र अंतर्गत मेरी संखित थे. क्र. 18 वार्ड क्र. 40, भवन क्र. 134, स्थान: ललन का बजार वैसे जी की गली पर सित है जो कि बी/बीसी नगी बाबू चौं / स्व. श्री वीरम चौं के नाम से नगर निगम में आई.डी. क्र. 10000089804 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल 900 वर्गफुट निर्मित है। उक्त संखित को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड वरीकनम-पत्र क्र. A3/72 दिनांक 01.06.2004 के द्वारा प्राप्त किया गया है उक्त संखित का मेरे द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के अंतर्गत की पूर्ति सम्पत्तिकर एवं अन्य उम्कर की वसूली हेतु नगमन अवेदन जमिन सम्पन्न केन्द्र जयपुरी से.क्र. 22 पर दिनांक 02.07.2025 को किया गया है जिसका आवेदन कार्य क्र 83/2010/18075/40377/प.क्र. "3/11 है। उक्त के संभव में यदि किसी को अपत्ति हो तो कार्यालय अदुकर, नगर निगम ग्वालियर, सिटीसेन्टर में रिक्त सम्पत्तिकर विभाग कक्ष क्र. 202, 205 में प्रखरान दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी अपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। निम्न अवधि परवक्त कोई अपत्ति मय नहीं होगी एवं उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जायेगा।

अवेदक का नाम/पता
मुरताक खान / स्व. श्री बाबू खान
पता: ललन का बजार, वैसे जी की गली, वार्ड -40
दिनांक जर्जी दिनांक: 02-07-2025

नामांकन विज्ञापित / आम सूचना

एम्बू द्वारा सर्वसाधन को सुचित किया जात है नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्र अंतर्गत मेरी संखित थे. क्र. 21 वार्ड क्र. 52, भवन क्र. स्थान: बलसोरी नगर कौलीनी डूंग पर सित है जो कि बी/बीसी नगी, ललन सिह, उर्मिला, स्व. रामचन्द्र वलनग के नाम से नगर निगम में आई.डी. क्र. 1000066885 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्गफुट है। उक्त संखित को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड डिप्लम-पत्र क्र. कुमुमसरी-जलसिखर के द्वारा प्राप्त किया गया है उक्त संखित को मेरे द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के अंतर्गत की पूर्ति सम्पत्तिकर एवं अन्य उम्कर की वसूली हेतु नगमन अवेदन जमिन सम्पन्न केन्द्र जयपुरी से.क्र. 22 पर दिनांक 02.07.2025 को किया गया है जिसका आवेदन कार्य क्र. 73/2010/68700/68694/प.क्र. "3/11 है। उक्त के संभव में यदि किसी को अपत्ति हो तो कार्यालय अदुकर, नगर निगम ग्वालियर, सिटीसेन्टर में रिक्त सम्पत्तिकर विभाग कक्ष क्र. 202, 205 में प्रखरान दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी अपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। निम्न अवधि परवक्त कोई अपत्ति मय नहीं होगी एवं उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जायेगा।

अवेदक का नाम/पता
शिवराज सिंह वंशम / स्व. किश बहदुर सिंह वंशम
पता: नगर नगर वीरनैथी गुरु, पिन: 9021292385
दिनांक जर्जी दिनांक: 02-07-2026

नामांकन विज्ञापित / आम सूचना

एम्बू द्वारा सर्वसाधन को सुचित किया जात है नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्र अंतर्गत मेरी संखित थे. क्र. 18 वार्ड क्र. 40, भवन क्र. 134, स्थान: ललन का बजार वैसे जी की गली पर सित है जो कि बी/बीसी नगी बाबू चौं / स्व. श्री वीरम चौं के नाम से नगर निगम में आई.डी. क्र. 10000089804 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल 900 वर्गफुट निर्मित है। उक्त संखित को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड वरीकनम-पत्र क्र. A3/72 दिनांक 01.06.2004 के द्वारा प्राप्त किया गया है उक्त संखित का मेरे द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के अंतर्गत की पूर्ति सम्पत्तिकर एवं अन्य उम्कर की वसूली हेतु नगमन अवेदन जमिन सम्पन्न केन्द्र जयपुरी से.क्र. 22 पर दिनांक 02.07.2025 को किया गया है जिसका आवेदन कार्य क्र 83/2010/18075/40377/प.क्र. "3/11 है। उक्त के संभव में यदि किसी को अपत्ति हो तो कार्यालय अदुकर, नगर निगम ग्वालियर, सिटीसेन्टर में रिक्त सम्पत्तिकर विभाग कक्ष क्र. 202, 205 में प्रखरान दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी अपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। निम्न अवधि परवक्त कोई अपत्ति मय नहीं होगी एवं उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जायेगा।

अवेदक का नाम/पता
हनुमाल खान / स्व. श्री बाबू खान
पता: ललन का बजार, वैसे जी की गली, वार्ड -40
दिनांक जर्जी दिनांक: 02-07-2025

नामांकन विज्ञापित / आम सूचना

एम्बू द्वारा सर्वसाधन को सुचित किया जात है नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्र अंतर्गत मेरी संखित थे. क्र. 19 वार्ड क्र. 46, भवन क्र. 1749, स्थान: निमनकन के मेरे द्वारा रजिस्टर्ड डिप्लम-पत्र क्र. A3/279 दिनांक 22.09.2005 के द्वारा प्राप्त किया गया है उक्त संखित को मेरे द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के अंतर्गत की पूर्ति सम्पत्तिकर एवं अन्य उम्कर की वसूली हेतु नगमन अवेदन जमिन सम्पन्न केन्द्र जयपुरी से.क्र. 22 पर दिनांक 01.07.2025 को किया गया है जिसका आवेदन कार्य क्र. 83/2010/124535/24614/प.क्र. "3/11 है। उक्त के संभव में यदि किसी को अपत्ति हो तो कार्यालय अदुकर, नगर निगम ग्वालियर, सिटीसेन्टर में रिक्त सम्पत्तिकर विभाग कक्ष क्र. 202, 205 में प्रखरान दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी अपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। निम्न अवधि परवक्त कोई अपत्ति मय नहीं होगी एवं उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जायेगा।

अवेदक का नाम/पता
श्रीमती दीपाक्षी मिश्र / श्री दीपक मिश्र
पता: निमनकन की गली नं. 2, वार्ड -46
दिनांक जर्जी दिनांक: 02-07-2026

नामांकन विज्ञापित / आम सूचना

एम्बू द्वारा सर्वसाधन को सुचित किया जात है नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्र अंतर्गत मेरी संखित थे. क्र. 06 वार्ड क्र. 32, भवन क्र. 248, स्थान: निमनकन के मेरे द्वारा रजिस्टर्ड डिप्लम-पत्र क्र. A3/279 दिनांक 22.09.2005 के द्वारा प्राप्त किया गया है उक्त संखित को मेरे द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के अंतर्गत की पूर्ति सम्पत्तिकर एवं अन्य उम्कर की वसूली हेतु नगमन अवेदन जमिन सम्पन्न केन्द्र जयपुरी से.क्र. 22 पर दिनांक 01.07.2025 को किया गया है जिसका आवेदन कार्य क्र 83/2010/18077/40380/प.क्र. "3/11 है। उक्त के संभव में यदि किसी को अपत्ति हो तो कार्यालय अदुकर, नगर निगम ग्वालियर, सिटीसेन्टर में रिक्त सम्पत्तिकर विभाग कक्ष क्र. 202, 205 में प्रखरान दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी अपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। निम्न अवधि परवक्त कोई अपत्ति मय नहीं होगी एवं उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जायेगा।

अवेदक का नाम/पता
प्रवीण कुमार / श्री जयदीश वन्दे उन
पता: नं-32, गंधी नगर, वार्ड -32
दिनांक जर्जी दिनांक: 02-07-2025

नामांकन विज्ञापित / आम सूचना

एम्बू द्वारा सर्वसाधन को सुचित किया जात है नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्र अंतर्गत मेरी संखित थे. क्र. 18 वार्ड क्र. 40, भवन क्र. 158, स्थान: ललन का बजार वैसे जी की गली पर सित है जो कि बी/बीसी नगी बाबू चौं / स्व. श्री मेहनलाल पाल नाम से नगर निगम में आई.डी. क्र. 10001689910 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल 690 वर्गफुट निर्मित है। उक्त संखित को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड वरीकनम-पत्र क्र. A3/279 दिनांक 22.09.2005 के द्वारा प्राप्त किया गया है उक्त संखित को मेरे द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के अंतर्गत की पूर्ति सम्पत्तिकर एवं अन्य उम्कर की वसूली हेतु नगमन अवेदन जमिन सम्पन्न केन्द्र जयपुरी से.क्र. 22 पर दिनांक 01.07.2025 को किया गया है जिसका आवेदन कार्य क्र 83/2010/18077/40380/प.क्र. "3/11 है। उक्त के संभव में यदि किसी को अपत्ति हो तो कार्यालय अदुकर, नगर निगम ग्वालियर, सिटीसेन्टर में रिक्त सम्पत्तिकर विभाग कक्ष क्र. 202, 205 में प्रखरान दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी अपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। निम्न अवधि परवक्त कोई अपत्ति मय नहीं होगी एवं उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जायेगा।

अवेदक का नाम/पता
नगीना बाबो / श्री अर्दुल्ला खान
पता: ललन का बजार, वैसे जी की गली, वार्ड -40
दिनांक जर्जी दिनांक: 02-07-2025

शैलपुत्री के प्राकट्य दिवस पर विशाल भंडारा आज

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर
मां शैलपुत्री के प्राकट्य दिवस पर गुरुवार को पानी की टंकी के पास, लक्ष्मण तलेया, शिंदे की छवनी में सांयकाल 4 बजे से प्रभु इच्छा तक विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी पं. मनीष महाराज ने दी।



डॉक्टर्स डे पर चिकित्सकों का सम्मान कर, सेवा भाव को किया नमन

भितरवार। 1 जुलाई को विश्व डॉक्टर्स डे के अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चीनौर में कार्यरत चिकित्सकों का स्थानीय अस्पताल स्टाफ एवं अन्य लोगों के द्वारा सम्मान करते हुए उनके सेवा भाव को नमन किया।मंगलवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चीनौर में विश्व डॉक्टर्स डे मनाते हुए पदस्थ चिकित्सक डॉक्टर विवेक माझी, डॉ प्रशांत शिवहरे का अस्पताल स्टाफ की ओर से पुष्पमाला पहनाकर और शॉल श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया।

इस दौरान उपस्थित लोगों ने चिकित्सकों की सेवा भाव की भूमिका को समाज के प्रति अहम बताते हुए कहा कि चिकित्सा हमारे स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की रीढ़ है। वे बीमारियों का निदान करने, उपचार

प्रदान करने और हमें स्वस्थ रहने के मार्ग पर मार्गदर्शन करने के लिए जिम्मेदार हैं। उनकी विशेषज्ञता और समर्पण यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण है कि हम स्वस्थ जीवन जी सके। हमारे शरीर की प्राथमिक देखभाल में भी चिकित्सकों की सराहनीय भूमिका रहती है। अवसर स्वास्थ्य प्रणाली में संपर्क का पहला बिंदु वहीं से शुरू होता है। वे निवारक सेवाओं, सामान्य बीमारियों के उपचार और पुरानी स्थितियों के प्रबंधन सहित व्यापक देखभाल प्रदान करते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य समस्याओं का जल्द पता लगाने और यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण है कि रोगियों को उचित देखभाल मिले और जरूरत पड़ने पर उन्हें विशेषज्ञों के पास भेजा जाए।

ब्रीफ न्यूज

बीजिंग में चार रोबोट्स की टीमें ने एक अनोखा फुटबॉल मैच खेला

बीजिंग। चीन में रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में नवाचारों ने एक नई मिसाल कायम की है। 28 जून की रात बीजिंग में चार रोबोट्स की टीमें ने एक अनोखा फुटबॉल मैच खेला। ये सभी रोबोट्स एआई की मदद से पूरी तरह खुद-ब-खुद मैदान में दौड़े, पास दिया और गोल की कोशिशें कीं, वहां भी बिना किसी इंसानी हस्तक्षेप के करके दिखाया। इन ह्यूमनॉइड रोबोट्स को एडवॉरंड विजुअल सेंसर से लैस किया गया था, जिससे वे गेंद को पहचान सकते थे और दिशा तय कर सकते थे। यह इवेंट वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गैम्स की तैयारी का हिस्सा था, जो 15 से 17 अगस्त के बीच चीन में आयोजित होंगे। इसमें फुटबॉल के अलावा मैराथन, बॉक्सिंग जैसे खेलों में भी रोबोट्स भाग लेने वाले हैं। इस पहल के पीछे मौजूद कंपनी के प्रमुख ने कहा, ये खेल रोबोट्स के एल्गोरिदम और उनके हार्डवेयर-सिस्टम को परखने का बेहतरीन मौका देते हैं।

सांप के अपनी ही पूंछ खाने के पीछे जैविक और पर्यावरणीय कारण

लंदन। आखिर सांप अपनी ही पूंछ को क्यों खाने लगता है, यह सवाल हमेशा लोगों के बीच चर्चाओं में रहता है। सोशल मीडिया पर कई बार ऐसे वीडियो वायरल होते हैं जिनमें सांप खुद को ही निगलने की कोशिश करता नजर आता है। रिपोर्टों के मुताबिक सांपों को हमेशा खतरनाक और जानलेवा जीव माना जाता है, लेकिन अपनी ही पूंछ को खाना उनके व्यवहार का एक जटिल पक्ष दिखाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इसमें कोई रहस्यमयी या अपशकुन जैसी बात नहीं है। इसके पीछे पूरी तरह से जैविक और पर्यावरणीय कारण होते हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि ऐसा व्यवहार सांपों में अत्यधिक तनाव, तंत्रिका संबंधी समस्याओं या बहुत ज्यादा गर्मी के कारण देखा जाता है। दरअसल सांपों की दुनिया हमारे लिए जितनी रहस्यमयी लगती है, उनके अनुभव करने का तरीका भी उतना ही अलग होता है।

जापानी वॉकिंग हैफिट रहने की आसान तकनीक

टोक्यो। सोचिए, अगर कोई ऐसी आसान फिटनेस तकनीक हो जिसमें न तो जिम जाना पड़े, न ही महंगे इक्विपमेंट की जरूरत हो और न ही अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कोई बड़ा बदलाव करना पड़े। बस जरूरत होती है आपकी चाल, आधा घंटा वक और थोड़ी सी लगन की। हाल में एक रिपोर्ट में जापान से आई जापानी वॉकिंग या इंटरवल वॉकिंग ट्रेनिंग को ऐसी ही आसान और असरदार तकनीक बताया गया है। यह तकनीक जापान के शिंशु विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हिरेशी नोजू और एसोसिएट प्रोफेसर शिंजु मसुकी ने विकसित की। इसमें 3 मिनट तेज चाल से चलना होता है और फिर 3 मिनट धीमी चाल से। इस चक्र को 6 बार दोहराया जाता है जिससे पूरा सेशन 30 मिनट का हो जाता है। तेज चाल का मतलब ऐसा चलना कि आप बातचीत तो कर सकें लेकिन जोर से गाना न गा पाएं। धीमी चाल वाली वॉक बिल्कुल हल्की और आरामदायक होती है।

चयन

शुभांशु के बाद अब अंतरिक्ष में जाएंगे डॉ मेनन, नासा ने किया ऐलान

एजेंसी ■ टेक्सास

शुभांशु शुक्ला एक्सओम-4 मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर पहुंचे हैं और वहां वह कई जानकारी हासिल कर रहे हैं। अब एक और भारतवंशी आईएसएस जाने की तैयारी में हैं। बता दें अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने साल 2021 में अनिल मेनन का चयन किया था। इसके बाद इनको ट्रेनिंग दी गई थी।

नासा के भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री डॉ. अनिल मेनन को उनके पहले अंतरिक्ष मिशन पर भेजने की घोषणा की है। नासा ने कहा कि डॉ. मेनन जून 2026 में



पाकिस्तान ने माना भारत नहीं देगा एक बूंद पानी, अब करेगा जल भंडारण

पाकिस्तान भारत से संधि को बहाल करने की गुहार लगा रहा है

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। तब से पाकिस्तान भारत से संधि को बहाल करने की गुहार लगा रहा है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि भारत पानी को हथियार बना रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के इरादों के जवाब में पाकिस्तान को अपनी जल भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी। उन्होंने भारत पर सिंधु जल संधि को एकतरफा निलंबित करने का आरोप लगाया। सिंधु जल संधि 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व बैंक की मध्यस्थता में हस्ताक्षरित एक ऐतिहासिक समझौता है, जो सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों के जल बंटवारे को नियंत्रित करता है। इसके तहत, भारत को सतलज, ब्यास और रावी नदियों पर पूर्ण नियंत्रण दिया गया है, जबकि सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों का पानी मुख्य रूप से पाकिस्तान को आवंटित किया था। पहलगाम में हुए आतंकी



हमले के बाद भारत ने संधि को निलंबित करने की घोषणा की। भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने अप्रैल में स्पष्ट किया था कि मोदी सरकार का सिंधु जल संधि पर लिया गया ऐतिहासिक निर्णय पूरी तरह से उचित और राष्ट्रीय हित में है। हम यह तय करेंगे कि सिंधु नदी का एक बूंद पानी भी

पाकिस्तान को न जाए। यह बयान भारत की उस नीति को दर्शाता है, जो आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस रखती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा है कि सिंधु जल संधि अब कभी बहाल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पाक को जाने वाला पानी भारत के राजस्थान जैसे राज्यों की ओर मोड़ा जाएगा। शहबाज शरीफ ने कहा कि अब खुद पाकिस्तान को ही अपने जल

एजेंसी ■ काबुल

दक्षिण एशिया के कई देशों में बीते कुछ दिनों से बार-बार धरती हिल रही है। अफगानिस्तान, नेपाल, पाकिस्तान और तिब्बत में भूकंप के झटकों ने लोगों को दहशत में डाल दिया है। कहीं हल्के तो कहीं मध्यम तीव्रता के भूकंप महसूस किए गए, जिससे लोग अपने घरों से बाहर निकलकर खुले स्थानों की ओर भागते दिखे। अफगानिस्तान में आज बुधवार को 3.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप के झटकों के बाद लोगों में दहशत फैल गई और कई लोग घर छोड़कर बाहर निकल आए। सोमवार को भी अफगानिस्तान में 4.7 तीव्रता के

झटके महसूस किए गए थे, जिनका असर पाकिस्तान और तजाकिस्तान के कुछ हिस्सों में भी देखने को मिला था। राहत की बात यह रही कि अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

यहां पहले कांप चुकी धरती

नेपाल में सोमवार, 30 जून को सुबह 8=24 बजे नेपाल में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.9 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, इसका केंद्र 29.24अंश नॉर्थ अक्षांश और 81.77अंश ईस्ट देशांतर पर,

जमीन से 14 किलोमीटर गहराई में था। भूकंप के कारण लोग घबराकर घरों से बाहर आ गए।

तिब्बत में भी हिली ज़मीन

नेपाल से सटे तिब्बत में 23 मई को सुबह 9=27 बजे 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका केंद्र जमीन से 20 किलोमीटर की गहराई में था। हालांकि, इससे किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं मिली थी। पाकिस्तान में रविवार तड़के करीब 3=54 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता 5.3 रही। भूकंप का केंद्र 30.25अंश नॉर्थ अक्षांश और 69.82अंश ईस्ट देशांतर पर,

जमीन से 150 किलोमीटर गहराई में स्थित था। भूकंप की वजह से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए।

विशेषज्ञों की चेतावनी

भूकंप के इन लगातार झटकों ने इस पूरे क्षेत्र की भूकंपीय संवेदनशीलता पर फिर से ध्यान केंद्रित कर दिया है। विशेषज्ञों की राय है कि हिमालयी क्षेत्र और उसके आसपास की भूगर्भीय प्लेटें लगातार सक्रिय हैं, जिससे ऐसे झटके आगे भी आ सकते हैं। इसे देखते हुए प्रशासन लगातार लोगों से सतर्क रहते हुए सजग रहने की अपील कर रहा है।

गाजा में इजराइल युद्धविराम को तैयार, ट्रंप बोले- विवाद को करेंगे खत्म

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इस समय दुनिया में कई देश या तो सीधे या कूटनीतिक रूप से युद्ध लड़ रहे हैं। वहीं लोगों सोच रहे हैं कि इस जंग का अंत कब और कैसे होगा। ईरान-इजराइल की जंग हो या फिर रूस-यूक्रेन की, ज्यादातर देशों का हित इनसे किसी न किसी तरह से जुड़ा है। इसी बीच गाजा में युद्धविराम की खबर राहत देने वाली है।

हमास-इजराइल के बीच चल रहे युद्ध में पूरा गाजा शहर तबाह हो चुका है। इतने दिन मिसाइलें बरसाने के बाद आखिरकार इजराइल दो महीने के युद्धविराम के लिए तैयार हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि हमास को भी ये सीजफायर मानना चाहिए ताकि स्थितियां थोड़ी सुधें। 60 दिनों के युद्धविराम के दौरान ट्रंप ने ये भी कहा है कि वे इस विवाद को खत्म करने की दिशा में भी काम करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप का महत्वाकांक्षी वन बिग ब्यूटीफुल बिल अमेरिकी सीनेट में पारित हो गया। इस बिल के विरोध में डेमोक्रेट्स के साथ-साथ खुद रिपब्लिकन पार्टी के भी सीनेट थे। इस विधेयक के पक्ष में



50-50 वोट पड़े, जिसके बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपना टाई ब्रेकिंग वोट डाला और विधेयक को मंजूरी मिल गई। ये विधेयक पिछले दिनों ट्रंप और एलन मस्क की लड़ाई की वजह से चर्चा में रहा था। अमेरिका के बी-2 बॉम्बर्स ने पिछले दिनों ईरान के न्यूक्लियर सेंटर्स पर हमला किया था। खासतौर पर फोर्दों न्यूक्लियर सेंटर को निशाने पर लेकर अमेरिका ने इसे बर्बाद करने का दावा किया था। हालांकि जब युद्धविराम हुआ तो ईरान एक बार फिर से इस सेंटर की मरम्मत में जुट गया है। वहीं ईरान अमेरिका से बातचीत को लेकर साफ कह चुका है कि बातचीत में देरी हो सकती है लेकिन परमाणु कार्यक्रम शुरू करने में नहीं।

वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। यूक्रेन के अंदर रूस के सैनिक पहुंच गए हैं और वे लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

क्वाड देशों ने की पहलगाम हमले की निंदा, पाक को दिया कड़ा संदेश

भारत ने कहा आतंकी हमले से जुड़े हर गुनहगार को मिले सजा

एजेंसी ■ वाशिंगटन

वाशिंगटन में क्राड विदेश मंत्रियों की बैठक में एस जयशंकर पहुंचे हैं। क्राड में भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया देश हैं। विदेश मंत्रियों की बैठक में क्राड ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया और पाकिस्तान को साफ संदेश दिया। क्राड ने संयुक्त बयान में पहलगाम अटैक की निंदा की और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की बात कही। यह सब ऐसे वक्त में हुआ, जब कुछ दिन पहले ही आसिम मुनीर अमेरिका गए थे और डोनाल्ड ट्रंप के साथ लंच किया था। आसिम मुनीर को लगा था कि क्राड में अमेरिका भारत का साथ नहीं देगा लेकिन जयशंकर की मौजूदगी ने सारा गेम पलट दिया। क्राड बैठक में एक संयुक्त बयान पर सहमति बनी और इसमें पहलगाम अटैक को प्राथमिकता दी गई।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्राड सभी प्रकार के आतंकवाद, हिंसा और हिंसक उखावट के सभी रूपों की निंदा करते हैं। इसमें सीमा पार आतंकवाद भी शामिल है। क्राड के बयान में कहा गया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले की सबसे बड़ी शब्दों में निंदा करते हैं। हम इस निंदनीय आतंकी कृत्य के अपराधियों, आयोजकों और वित्तपोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाने की मांग

करते हैं और सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों से आग्रह करते हैं कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून और संबंधित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्तावों के तहत अपनी जिम्मेदारियों के मुताबिक इस संबंध में सभी प्रासंगिक अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करें। क्राड के संयुक्त बयान में पहलगाम अटैक की निंदा और आतंकियों को सजा देने की बात कहना अपने आप में पाक को कड़ा संदेश है।

यूट्यूबर माइल्स रूटलेज ने भारतीयों को बताया चोर

भारत को 140 करोड़

समस्याओं का देश कहकर अपमानित किया

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

विवादित यूट्यूबर माइल्स रूटलेज एक बार फिर अपने विवादास्पद बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने दुर्इद में अपने चोरी हुए एयरपॉइस की जिम्मेदारी भारतीयों पर डाल दी है और सोशल मीडिया के साथ-साथ पाकिस्तानी मीडिया में भी भारत विरोधी टिप्पणी की है। रूटलेज ने दावा किया कि दुर्बई में उनके एयरपॉइस उस समय चोरी हो गए जब उन्होंने एक भारतीय सफाईकर्मी पर भरोसा किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय ने एयरपॉइस चुराकर पाकिस्तान में एक व्यक्ति को बेच दिए। आईफोन के लॉस्ट मोड के जरिए पता चला कि डिवाइस पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के झेलम इलाके में है। झेलम पुलिस ने जांच शुरू की और एयरपॉइस बरामद कर लिए। एक पाकिस्तानी नागरिक ने स्वीकार किया कि उसने अनजाने में यह डिवाइस एक भारतीय से खरीदी थी। इस पूरे मामले के दौरान रूटलेज ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते हुए कहा, भारतीय गाय की पूजा करते हैं, किसी असली मर्द की नहीं।

भूख से करीब 1 करोड़ 40 लाख लोगों की हो जाएगी मौत!

वाशिंगटन। लोग भूख से तड़प-तड़प कर मर जाएंगे। पूरी दुनिया देखती रहेगी, मगर कोई इस विनाशलीला को नहीं रोक पाएगा। इस विनाशलीला में करीब 1 करोड़ 40 लाख लोग काल के गाल में समा जाएंगे। इसकी वजह अमेरिका है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि अमेरिकी विदेशी सहायता में कटौती से 14 मिलियन से ज्यादा लोगों की मौत हो सकती है। मंगलवार को प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि ट्रंप प्रशासन की ओर से अमेरिकी विदेशी सहायता में की गई कटौती के कारण दुनिया के सबसे कमजोर लोगों में से 14 मिलियन से ज्यादा लोग यानी 1 करोड़ 40 लाख लोगों की मौत हो सकती है। इनमें सबसे ज्यादा मौतें बच्चों की होगी यानी मरने वालों में एक तिहाई छोटे बच्चे होंगे। रिपोर्ट में रिसर्च और स्टडी के सह-लेखक ने कहा कि कई निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए परिणामी झटका वैश्विक महामारी या किसी बड़े सशस्त्र संघर्ष के पैमाने के बराबर होगा।

और एक्सपीडिशन 75 के क्रू सदस्य के रूप में शामिल होंगे। डॉ. मेनन के साथ इस अभियान में रोस्कॉसमॉस के दो अनुभवी अंतरिक्ष यात्री प्योत्र दुबरोव और अन्ना किकीना भी जाएंगे। यह टीम कजाखस्तान स्थित बैकानूर कोस्मोड्रोम से रवाना होगी और करीब आठ महीनों तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी परीक्षणों को अंजाम देंगी। नासा के मुताबिक इस मिशन में डॉ. अनिल मेनन मानवता के लाभ के लिए और भविष्य के गहरे अंतरिक्ष अभियानों की तैयारी के तहत कई तरह के

अनुसंधान कार्यों को अंजाम देंगे। डॉ. मेनन को 2021 में नासा द्वारा अंतरिक्ष यात्री के रूप में चयनित किया गया था और उन्होंने 2024 में 23वीं एस्ट्रोर्नॉट कक्षा के साथ प्रशिक्षण पूरा किया। प्रशिक्षण के बाद वे अपने पहले स्पेस स्टेशन को छोड़ कर साथ यौन संबंध बनाने के आरोप लगे हैं, और इलिनोइस में एक शिक्षिका क्रिस्टीना फर्मेला पर 52 अतिरिक्त आरोपों के साथ मुकदमा चल रहा है।



रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कॉसमॉस के सोलेंज एमएस-29 यान से

आईएसएस के लिए उड़ान भरेंगे। इस मिशन में वे फ्लाइट इंजीनियर

बिग ब्यूटीफुल बिल बना ट्रंप के लिए जी का जंजाल

डोनाल्ड ट्रंप का प्रस्तावित बिग ब्यूटीफुल बिल से अमेरिकी संसद में तूफान खड़ा हो रहा है। इसे ट्रंप प्रशासन की दूसरी पारी का ब्लूप्रिंट माना जा रहा है। जो उनके चुनावी वादों को पूरा करने के रूप में देखा जा रहा है। इस बिल के पीछे की सच्चाई और इसके संभावित परिणामों को लेकर अमेरिका तथा भारत जैसे देशों के लिए इस बिल के परिणाम बड़े घातक हो सकते हैं।

इस बिल का मुख्य उद्देश्य टैक्स कटौती, सीमा सुरक्षा, और सामाजिक योजनाओं में बदलाव के ज्यादा अधिकार राष्ट्रपति को देता है। इसमें सरकार द्वारा 2017 के टैक्स कट्स को स्थायी करने, व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट टैक्स दरों में कमी करने ओवरटाइम व टिप्स पर टैक्स छूट जैसे प्रावधान शामिल हैं। इस बिल में बॉर्डर, अवैध प्रवासियों के डिपोर्टेशन के लिए 4.5 ट्रिलियन डॉलर का भारी-भरकम खर्च प्रस्तावित है। दूसरी ओर सरकार मेडिकेड और खाद्य सुरक्षा जैसी योजनाओं में कटौती कर सकती है। जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग को भारी नुकसान होना तय है। भारत एवं भारतीयों के लिए सबसे

चिंताजनक विदेशी धन-प्रेषण पर 3.5 से 5त टैक्स भारतीय-अमेरिकी समुदाय को सीधे प्रभावित करेगा। भारत को भेजे जाने वाले धन पर यह टैक्स भारतीय रुपये को और भी कमजोर कर सकता है। जिसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बिल उनके धनाढ्य समर्थकों और पूंजीपतियों के लिए को फायदा पहुंचाने का बिल माना जा रहा है। भारत में जिस तरह से इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से राजनैतिक दलों के लिये बिल लाया गया था, इस बिल के माध्यम से मोदी सरकार को सबसे ज्यादा चंदा मिला। चंदे के आधार पर ठेके दिये गए। बिग ब्यूटी बिल के माध्यम से ट्रम्प को जो अधिकार मिलेंगे, उससे वह चंदा और परिवार के निजी कारोबार को बढ़ाने के लिये उपयोग करेंगे। यह आशंका अमेरिका में व्यक्त की जा रही है। डेमोक्रेट्स इसे अमीरों का बिल बता रहे हैं। वहीं रिपब्लिकन भी अमेरिका के ऊपर बढ़ते कर्ज जो 2.4 से 4 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है, उसको लेकर चिंतित हैं। अमेरिकी सांसद बर्नी सैंडर्स ने इस बिल को भ्रष्ट वित्त प्रणाली का प्रतीक बताया है। उनका कहना है राष्ट्रपति ट्रंप



अपने अरबवत्त मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए इस बिल को पास कराने जा रहे हैं। राष्ट्रपति और ट्रंप के पूर्व सहयोगी एलन मस्क ने भी इसका विरोध किया है। इस विरोध के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच तकरार बढ़ी है। एलन मस्क ने धमकी दी है, वह अमेरिका में तीसरी पार्टी बनाएंगे।

बढ़ती संवेदनहीनता आखिर इंसानियत कहां मर रही है?



मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में मुंबई जैसे आधुनिक शहर में रिश्तों को शर्मसार और दिल को झकझोर देने वाला एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है. 70 साल की महिला यशोदा गायकवाड़ जो स्किन कैंसर से पीड़ित हैं उन्हें बोझ समझकर उनका ही सगा पोता कचरे के ढेर में फेंक आया।

जानकारी के मुताबिक बुजुर्ग महिला के पोते सागर शेवाले ने अस्पताल में भर्ती न किए जाने के बाद अपने जीजा बाबासाहेब गायकवाड़ और एक रिक्शा ड्राइवर संजय कुदशिम की मदद से दादी को आर ए कॉलोनी के कचरे के ढेर में रात के अंधेरे में फेंक दिया। यह मामला तब सामने आया

जब पुलिस को सूचना मिली कि आरे कॉलोनी इलाके में एक 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला बेहद कमजोर हालत में पड़ी है।

शनिवार सुबह पुलिस ने जब महिला को देखा, तो उसकी हालत बेहद नाजुक थी. महिला की पहचान यशोदा गायकवाड़ के रूप में हुई है. जब पुलिस ने उससे बातचीत की, तो उन्होंने बताया कि उनका पोता उन्हें यहां छोड़कर चला गया. इस खुलासे के बाद पुलिस भी हैरान रह गई. यह समझ पाना मुश्किल हो गया कि आखिर कोई पोता अपनी बीमार दादी के साथ इतनी क्रूरता कैसे कर सकता है.महिला की हालत देखकर पुलिस ने तुरंत उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की कोशिश की, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि कई अस्पतालों ने उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें भर्ती करने से इनकार कर दिया. अंततः शाम को उन्हें कूपर अस्पताल में भर्ती कराया गया. डॉक्टरों ने पुष्टि की कि महिला को त्वचा कैंसर है।

यशोदा गायकवाड़ ने पुलिस को मालाड और कांदिवली के दो पते बताए , जो उनके परिवार के हैं. पुलिस इन पतों पर जाकर परिवार के सदस्यों का पता लगाने में जुटी . साथ ही महिला की तस्वीर सभी स्थानीय पुलिस थानों में भेजी गई ताकि उनके परिजनों को ढूँढा जा सके।

पुलिस ने गंभीरता से मामले की पड़ताल की। पुलिस जांच में सामने आया है दरअसल शुक्रवार रात करीब 2:20 बजे सागर अपनी दादी को लेकर अस्पताल पहुंचा था, लेकिन कुछ ही मिनट बाद 2:40 बजे वहां से वापस चला गया. बाद में वह महिला घायल अवस्था में गोरगांव पूर्व स्थित कॉलोनी के कूड़े के ढेर में मिलीं. पुलिस को सूचना मिलने पर महिला को पहले ट्रॉमा अस्पताल, फिर कूपर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जब पुलिस ने यशोदा गायकवाड़ से पूछताछ की, तो उन्होंने कुछ नाम बताए, लेकिन शुरुआत में उनके परिवार का कोई सदस्य सामने

नहीं आया. सीसीटीवी फुटेज और सख्त पूछताछ के बाद सागर ने सच कबूल किया कि उसने ही अपनी बीमार दादी को कचरे में फेंक दिया था।

पुलिस जांच में यह पता चला है कि पोते ने दो अन्य लोगों की मदद से मुंबई की आरे कॉलोनी के कचरे के ढेर में



अपनी दादी को फेंका था। जिसके बाद आरोपी पोते और उसके सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. पुलिस जांच के मुताबिक, 70 साल की बीमार बुजुर्ग यशोदा गायकवाड़ ने बीते शुक्रवार की रात, आक्रमक होते हुए खुद का गला घोटने की कोशिश की थी, पोते पर भी हाथ उठ गया था। इस से उद्बलित नाराज और घबराए पोते सागर ने अपने जीजा को फोन किया और दोनों यशोदा को पास के शताब्दी अस्पताल ले गए लेकिन अस्पताल ने उनको भर्ती करने से मना कर दिया। इस के बाद पोते ने जीजा के साथ मिलकर दादी से छुटकारा पाने की योजना बना डाली। दोनों ने एक ओटो रिक्शा वाले को बुजुर्ग दादी को सुनसान इलाके में लावारिस फेंकने के लिए तैयार किया।

इसके लिए ओटो रिक्शा ड्राइवर को 400 रुपये भी दिए गए . ड्राइवर फिल्मसिटी में काम करता था और उस इलाके से अच्छी तरह वाकिफ था. वरिष्ठ पुलिस इस्पेक्टर पाटिल के अनुसार, तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और महिला की हालत में सुधार हो रहा है.

बता दें कि आरोपी पोते सागर शेवाले ने शुरूआती पूछताछ में मामले को झुलताने की कोशिश की और इधर उ उधर की कहानी बनाने लगा उसके बयानों में विरोधाभास

की वजह से पुलिस को उस पर शक हुआ. जिसके बाद उससे सख्ती से पूछताछ की गई. जिसमें इसने ये कबूल कर लिया कि उसने ही अपने जीजा और रिक्शा-ड्राइवर की मदद से दादी को रात 3~30 बजे कूड़े में फेंका था.रिक्शा ड्राइवर कुदशिम को उसने इस काम के लिए 400 रुपये दिए थे. वह फिल्मसिटी में काम करता था इसलिए पास के आरे इलाकों को अच्छी तरह से जानता था. बता दें कि आरे पुलिस पोते सागर शेवाले के साथ उसके जीजा बाबा साहब गायकवाड़, और रिक्शा ड्राइवर संजय कुदशिम को हिरासत में ले लिया. वहीं स्किन कैंसर से जूझ रही बुजुर्ग महिला का इलाज मुंबई के कूपर अस्पताल में चल रहा है।

आपको बता दें कि परिजनों के प्रति क्रूरता की अनेक घटना आए दिन सामने आती रहती है वरन ऐसी वारदातों की झड़ी लगी हुई है। तीन महीने पहले झारखंड के रामगढ़ में एक ऐसा ही मामला सामने आया जब एक व्यक्ति ने अपनी बीमार मां को घर में बंद कर दिया और पत्नी, बच्चों तथा ससुराल वालों के साथ महाकुंभ में स्नान के लिए प्रयागराज चला गया था । पड़ोसियों को उसके बारे में तब पता चला जब वह भूख के कारण सहायता के लिए चिखलने लगी। पुलिस ने ताला तोड़कर उसे बचाया। पड़ोसियों ने तुरंत उसे खाना दिया। उसे दवाइयां भी दी गईं और सीसीएल अस्पताल में भर्ती कराया गया।पुलिस ने बुधवार को रामगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुभाष नगर कॉलोनी में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के एक क्वार्टर से 65 वर्षीय महिला को मुक्त कराया। पुलिस ने बताया कि महिला सोमवार से घर में बंद थी और चूहा खाकर जिंदा थी। पड़ोसियों को उसके बारे में तब पता चला जब वह भूख के कारण सहायता के लिए चिखलने लगी।

पिछले दिनों ओडिशा के संबलपुर जिले के कुचिंदा में मानव शर्मसार तब बंद हुआ जब एक नवजात शिशु का शव एक बोरे में मिला। घटना कुचिंदा के खंडोकटा गांव की है। अचानक अल-सवेरे के पास एक बोरे को देखा। बोरे के पास कुत्ते का प्रदर्शन कर रहे थे और नोंच नोंच कर बोरे को चिप्स की कोशिश कर रहे थे। पुनर्मूल्यांकन को इस व्यवहार पर शक हुआ। बोरे में एक नवजात शिशु का शव मिला। लोगों ने तुरत कुचिंदा पुलिस को इसकी जानकारी दी।

फीचर



बिल्ली के रास्ता काटने से क्या होता है?

ऐसे में आप क्या करेंगे ? शायद वही जो ज्यादातर भारतीय ऐसे में करेंगे - थोड़ी देर रुक जाकेगें और किसी और के वहां से गुजरने का इंतजार करेंगे।

प्राचीन काल से ही ऐसी मान्यता प्रचलित है कि अगर बिल्ली आपका रास्ता काट दे तो आपको कुछ देर रूक जाना चाहिए या उस रास्ते से नहीं गुजरना चाहिए, खासकर यदि काली बिल्ली आपका रास्ता काटे तो इसे बहुत अशुभ माना जाता है।

हमारे परिजन भी हमेशा हमें बिल्ली द्वारा रास्ता काटने पर आगे न जाने की सलाह देते हैं। बिल्ली के रास्ता काटने को अशुभ का संकेत माना जाता है। यह मान्यता है कि बिल्ली अन्य जीवों की अपेक्षा अधिक संवेदनशील प्राणी है जो कि भविष्य में होने वाली घटनाओं को काफी सटीक और पहले ही भांप लेती है। उसके द्वारा

रास्ता काटना एक चेतावनी माना जाता है जिसे समझकर हम दुर्घटनाओं से बच सकते हैं।

वैज्ञानिक आधार अनेक लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं। हालांकि वैज्ञानिक तथ्य भी यह कहते हैं कि अनेक जीवों में प्रकृति की घटनाओं के घटित होने से पूर्व समझने की शक्ति होती है। यह भी देखा गया है कि बड़ी-बड़ी घटनाओं के पहले अनेक जानवरों के व्यवहार में अचानक परिवर्तन आ जाता है। जब जापान में सुनामी आई थी तब उसके ठीक पहले तटीय क्षेत्रों के पालतू जीवों के व्यवहार में स्पष्ट परिवर्तन देखने को मिला था। बिल्कुल उसी तरह बिल्ली के व्यवहार को भी कुछ लोग सही मानते हैं और बिल्ली के रास्ता काटने के बाद कुछ देर रूक कर आगे बढ़ने को कहते हैं, जिससे भावी दुर्घटनाओं की आशंका टाली जा सके।

अपनी बात



अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि हिमालय की गोद में बसा अरुणाचल भारत के नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य में अहम भूमिका निभा रहा है । मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने एक पोस्ट शेयर किया । इस पोस्ट में उन्होंने अरुणाचल को भारत का सबसे बड़ा कार्बन सिंक बताया । साथ ही कुछ डेटा भी शेयर किया है, जिसमें वन क्षेत्र, कार्बन अवशोषण और नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य के बारे में बताया गया है ।



दलाई लामा ने कहा कि उनकी मृत्यु के बाद उनके उत्तराधिकारी का चयन तिब्बती बौद्ध परंपराओं के अनुसार होगा और इस प्रक्रिया में चीन की कोई भूमिका नहीं होगी । दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकारी के चयन की जिम्मेदारी गानेन फोडरंग ट्रस्ट को सौंपी है । साथ ही लामा ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी संस्था यानी दलाई लामा का संस्थान भविष्य में भी जारी रहेगा । उन्होंने 2011 में किए गए वादे की भी याद दिलाई ।

हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनायें

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रतर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक

अग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संवर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा। हिन्दी को हथियार बनाकर उड़बूट ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उड़बूट ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी मंज पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उड़बूट ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस



बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है। भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है।

फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमदा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरुआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। ऐसे में निश्चित ही मराठ राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिंदी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर तीखे हिंदी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ-साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पड़ेगा। हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे? हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा-राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएगा और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता की जीत हासिल हो जाएगी। महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर-सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41 प्रतिशत हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76 प्रतिशत से 73.4 प्रतिशत पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया।

प्रेरणा

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से ध्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी। सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे।

दोनों का वार्तालाप शुरू होता है। कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खसी। की थीं श्रवन सुनेहि नहि मोही। देखउं अति असंक सट तोही। लंकापति रावण ने कहा - रे वानर ! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उड़ाकर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शट ! मैं तुझे अत्यंत निरुशंक देख रहा हूं। मारे निश्चिन्धर केहिं अपराधा। कहु सट तोहि न प्रांन कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे। हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है।





संजीवनी बूटी का काम करता है गिलोय

गिलोय एक चमत्कारी पौधा है, यह कई बीमारियों को दूर करने में मददगार होता है। इसके पत्ते पान के पत्तों की तरह होते हैं और इसके सेवन से शरीर स्वस्थ रहता है। आइए आज हम आपको यहां बता रहे हैं कि गिलोय किन-किन बीमारियों को दूर करने में मददगार होता है। बता दें कि गिलोय सबसे ज्यादा लाभकारी डायबिटीज के रोगियों के लिए होता है। इसमें हाइपोग्लैसेमिक होता है जो शरीर में शुगर की मात्रा को संतुलित बनाये रखता है। इसी कारण से डायबिटीज के रोगियों को शुगर कंट्रोल करने के लिए गिलोय का सेवन करने की राय दी जाती है। हालांकि बिना डॉक्टर के परामर्श के इसका सेवन नहीं करना चाहिए। यदि गिलोय के पत्तों को पानी में उबालकर आंखों पर रखा जाए तो इससे नेत्र रोग दूर होते हैं और आंखों की रोशनी बढ़ती है। गिलोय में रोगप्रतिरोधक क्षमता होती है इसी कारण से ये छोटी-छोटी बीमारियों को शरीर से दूर रखता है। इसका सेवन करने से सर्दी-जुकाम, गैस, कब्ज और अन्य बीमारियों से बचा जा सकता है।



ऑनलाइन बुलिंग से डिप्रेशन का शिकार होते हैं किशोर

माता-पिता ध्यान दें, जो किशोर ऑनलाइन बुलिंग (बदमाशी) के शिकार होते हैं उन्हें कम नींद और डिप्रेशन (अवसाद) का सामना करना पड़ता है। एक अध्ययन ने इस बात को लेकर चेताया है। साइबर शिकार और नींद की गुणवत्ता के बीच संबंध का पता लगाने के लिए कुछ अध्ययनों में से एक में बफेलो विश्वविद्यालय की अनुसंधान टीम ने 800 से अधिक किशोरों के बीच ऑनलाइन बुलिंग और अवसाद के बीच संबंधों की जांच की। बफेलो विश्वविद्यालय से पीएचडी के छात्र मिशेल क्वोन ने कहा, “इंटरनेट और सोशल मीडिया पर साइबर उत्पीड़न सहकमी उत्पीड़न और किशोरों के बीच एक उभरती मानसिक स्वास्थ्य चिंता का एक अनूठा रूप है।” क्वोन ने कहा कि 15 प्रतिशत अमेरिकी हाई स्कूलों के छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से तंग किया जाता है। गंभीर स्तर पर स्कूल में प्रदर्शन से लेकर, रिश्तों में दूरियां और यहां तक की आत्महत्या का कारण भी डिप्रेशन बन सकता है। अमेरिका के किशोर स्वास्थ्य के कार्यालय के अनुसार, लगभग एक तिहाई किशोरों में अवसाद के लक्षण अनुभव हुए हैं, जिनमें नींद के पैटर्न में बदलाव के अलावा, लगातार चिड़चिड़ापन, क्रोध और सामाज से कटाव शामिल हैं।



दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को बीएमजे ओपन डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शोध में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेंज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे। मेटाबोलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1, 13, 000 लोगों में किया गया। मेटाबोलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता

है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबोलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गूड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबोलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबोलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबोलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है। डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े स्रोत हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड़, याक और ऊंट शामिल हैं।

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। पौदिने की पत्तियों में मिर्थांल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।



पौदिने की पत्तियों में पाए जाते हैं मिर्थांल व एंटी-बैक्टीरियल गुण

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते हैं। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते हैं। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। पौदिने की पत्तियों में मिर्थांल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती हैं। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारे में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा है आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी

परेशान रहते हैं। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती है तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती हैं। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेंगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्यौ-यम्यौ स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बड़ों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइसक्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पाटर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियां, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती हैं। विटामिन स्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढ़ाता है। विटामिन ए से मजबूत हड्डियां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।



अभिनेता इरफान खान अभिनय किसी भी अवॉर्ड का मोहताज नहीं था



बॉलीवुड फिल्म निर्माता सुभाष घई ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान को याद कर उन्हें फिल्म इंडस्ट्री का अनमोल रत्न बताया है। उन्होंने कहा कि वह फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक थे। उनका अभिनय किसी भी अवॉर्ड का मोहताज नहीं था। सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम पर इरफान खान के साथ एक फोटो शेयर की है, जो किसी अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान खींची गई थी। तस्वीर में दोनों ब्लैक कलर के सूट और वाइट शर्ट पहने नजर आ रहे हैं। साथ ही एक-दूसरे से मुस्कुराते हुए मिल रहे हैं। सुभाष घई के हाथ में एक अवॉर्ड है, वहीं इरफान उन्हें प्यार से गले लगाते हुए दिख रहे हैं।

कर्ज, राम लखन, और ताल जैसी मशहूर फिल्मों को लेकर सुभाष घई ने कहा कि फिल्मों में चमक-दमक से ज्यादा कहानी मायने रखती है। वह इरफान के काम और उनकी काबिलियत को बहुत अहमियत देते थे। उनकी तारीफ उनके लिए किसी भी पुरस्कार से ज्यादा खास थी। घई ने

लिखा- मैं हमेशा से दिखावटी सितारों की तुलना में अच्छे और महान अभिनेताओं की तारीफ करता हूँ। अच्छे अभिनेता कहानी को और बेहतर बनाते हैं, जबकि सितारे सिर्फ फिल्म को चमकाते हैं। मुझे इरफान खान से तारीफ मिलना किसी अवॉर्ड समारोह में पुरस्कार मिलने से ज्यादा खुशी देता था। इसलिए मैं इस तस्वीर को हमेशा सजोकर रखता हूँ। हमें इरफान की बहुत याद आती है। उस जैसा कलाकार बहुत कम पैदा होते हैं।

सुभाष घई और इरफान खान ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया। फिल्म राइट या रॉंग में इरफान ने लीड रोल निभाया था। इस फिल्म को सुभाष घई ने निर्देशित किया था। इसके अलावा सुभाष घई की फिल्म इकबाल में इरफान ने सहायक भूमिका निभाई थी। इरफान खान का निधन 29 अप्रैल 2020 को हुआ था। वह एक गंभीर बीमारी से पीड़ित थे, जिसे न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर कहते हैं। उन्हें इस बीमारी का पता साल 2018 में चला था।

फिल्म निर्माता

सुभाष घई ने

दिवंगत एक्टर

को याद कर

इंस्टाग्राम पर

शेयर की तस्वीर



सारा के गॉर्जियस लुक से नजरें नहीं हट रही फैस की

हाल ही में, अपनी फिल्म के प्रमोशन के दौरान बालीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान हल्के ब्रॉन्ज शेड की बलून मिनी ड्रेस में नजर आईं। उनके इस गॉर्जियस लुक से फैस की नजरें नहीं हट रही थीं। यह ड्रेस उनकी पर्सनैलिटी और कंफर्ट का बेहतरीन मेल थी। हाई नेकलाइन और फ्लेयर्ड सिल्हूट वाली इस ड्रेस को बेहद खूबसूरती से डिजाइन किया गया था। फेदर डिटेलिंग ने इसे और भी खास बना दिया। बता दें कि यह कलर इन दिनों काफी ट्रेंडी है इस डिजाइन के ड्रेस आपको भी हर इवेंट में स्पेशल अटेंशन दे सकती हैं। सारा की इस ड्रेस का सबसे आकर्षक हिस्सा उसकी फेदर एम्ब्रॉयडरी थी, जो इसे एक ग्लैमरस लुक दे रही थी। ड्रेस का बैक डिजाइन भी बेहद यूनिक था, जिसमें एक लंबा बो डिटेल दिया गया था, जो पूरे लुक को एलिंगेंस का टच देता है। शॉर्ट हेमलाइन ने इसे परफेक्ट पार्टी और रेड कार्पेट आउटफिट बना दिया।

सारा ने इस ड्रेस के साथ अपने लुक को बैलेंस करने के लिए मिनिमल मेकअप चुना। नैचुरल टोन्स, लाइट ब्लाश और न्यूड लिपस्टिक ने उनके पूरे लुक को फेश और आकर्षक बनाया। बालों को उन्होंने स्लीक पोनीटेल में बांध रखा था, जो ड्रेस के स्टाइल को पूरी तरह से कॉम्प्लिमेंट कर रहा था। सारा अली खान का यह लुक से आप यह आइडिया ले सकती हैं कि किस तरह सिंपल डिटेलिंग और सही स्टाइलिंग से आप किसी भी आउटफिट को खास बना सकती हैं। मिनिमल एक्सेसरीज़ और सही हेयर व मेकअप का सेलेक्शन किसी भी पार्टी या इवेंट के लिए आपके लुक को परफेक्ट बना सकता है। इस तरह कॉलेज इवेंट हो या ऑफिस, सारा का यह स्टाइल हर फैशन प्रेमी के लिए इन्सपिरेशन है। सारा अली खान का यह फैशन स्टेटमेंट न केवल उनके स्टाइल को शो करता है, बल्कि यह बताता है कि कैसे आप एलिंगेंस और स्लैमर का बेहतरीन तालमेल कर सकते हैं। उनकी यह ड्रेस ट्रेंडी और क्लासी का परफेक्ट उदाहरण है, जिसे हर फैशन लवर अपनी वॉर्डरोब में शामिल करना चाहेगा। बता दें कि सारा इन दिनों अपनी आने वाली मूवी मेट्रो इन दिनों के प्रमोशन को लेकर काफी बिजी हैं। इस फिल्म में सारा आदित्य रॉय कपूर के साथ नजर आएंगी। सारा अली खान का फैशन सेंस हमेशा उनके फैस और फैशन प्रेमियों को दिवाना बना देता है।

विश्वास नहीं हो रहा कि शेफाली अब दुनिया में नहीं रही: आरती

‘कांटा लगा’ फेम एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के निधन पर टीवी अभिनेत्री आरती सिंह ने सोशल मीडिया पर एक लंबा और भावुक पोस्ट लिखकर अपनी पीड़ा और यादें साझा कीं। आरती ने इंस्टाग्राम पर शेफाली के साथ अपनी कुछ तस्वीरें और ‘बिग बॉस 13’ का एक वीडियो शेयर किया।

उन्होंने लिखा कि उन्हें अब तक विश्वास नहीं हो रहा कि शेफाली अब इस दुनिया में नहीं हैं। आरती ने लिखा कि अभी कुछ दिन पहले ही दोनों जिम में मिली थीं और साथ काइडों करने का प्लान बनाया था। उन्होंने याद किया कि शेफाली ने उनसे कहा था, तेरे लिए बहुत खुशी होती है। तू खुश है न आरती ने बताया कि वह अक्सर जब कोई पूछता था कि वह आज भी किससे बात करती हैं, तो बस एक ही नाम लेती थीं - शेफू। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि शेफाली इतनी जल्दी उन्हें छोड़कर चली जाएंगी। आरती ने शेफाली को याद करते हुए कहा कि वह बहुत खुशमिजाज और बच्ची जैसी चुलबुली थीं। उनके दिल में कोई छल-कपट नहीं था और वह कभी किसी की बुराई नहीं करती थीं।

उन्होंने लिखा कि शेफाली ने हमेशा उन्हें ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद दिया। आरती ने भगवान से सवाल किया कि ऐसा क्यों हुआ। उन्होंने कहा कि वह शेफाली से प्यार करती थीं और हमेशा करती रहेंगी। उन्होंने यह भी याद किया कि ‘बिग बॉस’ में शेफाली की एंट्री पर उनकी नजरें उनसे हटती ही नहीं थीं। शादी से पहले शेफाली हर दिन उन्हें फोन करके बड़ी बहन की तरह सलाह देती थीं कि फेशियल करा ले, तैयारी कर ले। उन्होंने लिखा कि शेफाली और उनके पति पराग त्यागी उनकी शादी को लेकर बहुत खुश थे जैसे अपनी ही बहन की शादी हो। पोस्ट में आरती ने पराग के लिए भी लिखा कि उन्होंने शेफाली की बच्चे की तरह देखभाल की और बहुत प्यार दिया। उन्होंने कहा कि वे सब लोग तो धीरे-धीरे इस गम से उबर जाएंगे, लेकिन परिवार को यह दुख जीवन भर झेलना होगा। उन्होंने लिखा कि यह जाने का समय नहीं था, शेफाली को और खुशियां और प्यार बांटना था।

अंत में आरती ने लिखा कि वह ‘आरआईपी’ लिखना पसंद नहीं करतीं, बस प्रार्थना करती हैं कि शेफाली जहां भी हों, खुश रहें और उनके परिवार को इस दुख को सहने की ताकत मिले। बता दें कि टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर उस वक्त दौड़ गई जब ‘कांटा लगा’ फेम एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के निधन की खबर आई।



ईशा और भरत फिर नजर आए साथ

ईशा देओल और भरत तख्तानी ने 29 जून 2012 को मुंबई में धूमधाम से शादी की थी। दोनों की शादी से दो बेटियां राध्या और मिराया हैं। लेकिन कई साल साथ रहने के बाद फरवरी 2024 में उन्होंने आपसी सहमति से अलग होने की घोषणा कर दी थी। इस खबर ने उनके फैस को बड़ा झटका दिया था। अब एक बार फिर यह एक्स कपल साथ नजर आया है, जिससे उनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हाल ही में ईशा और भरत ने एक पूजा में एक साथ हिस्सा लिया और स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साखी भगवती सरस्वती जी का आशीर्वाद लिया। दोनों ने आश्रम में कुछ समय भी बिताया। पूजा के दौरान ईशा ने देवी मां को हार पहनाया और ट्रेडिशनल थेलो आउटफिट में बेहद खूबसूरत दिखीं। वहीं भरत भी सफेद कपड़ों में डेशिंग नजर आए।

सितारे जमीन पर की कमाई का ग्राफ 100 करोड़ के पार

सुपरस्टार आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। इस फिल्म की कमाई का ग्राफ 100 करोड़ के पार जा पहुंचा है। सितारे जमीन पर का बोते 9 दिनों में कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 108 करोड़ 30 लाख रुपये हो चुका है। आमिर खान की पिछली कुछ फिल्मों बॉक्स ऑफिस पर पिटी थीं जिनमें साल 2018 में रिलीज हुई ठग्स ऑफ हिन्दुस्तान भी शामिल थी। फिल्म के बारे में एक हालिया इंटरव्यू में आमिर खान ने बताया कि कई एक्ट्रेसज ने वो फिल्म ठुकरा दी थी। आमिर खान ने कहा, जब हम कास्टिंग कर रहे थे तो कोई हीरोइन वो फिल्म करने को तैयार नहीं थी। दीपिका ने मना कर दिया, आलिया ने मना कर दिया और श्रद्धा ने भी मना कर दिया। आखिरकार विक्टर फातिमा के पास गए। हालांकि आदित्य चोपड़ा और विक्टर ने साफ कर दिया था कि उसको मेरे साथ पेयर नहीं किया जा सकता है, क्योंकि उसका लुक टेस्ट ठीक रहा है, लेकिन मैंने दंगल में उसके पिता का रोल



किया था। तो ऑडियंस शायद स्वीकार ना कर पाए। आमिर खान ने बताया कि हालांकि वो इन चीजों में यकीन नहीं करते हैं, क्योंकि ना तो असल जिंदगी में वह फातिमा के पिता हैं और ना ही बॉयफ्रेंड। हम बस एक फिल्म बना रहे हैं। क्या हम अपनी ऑडियंस को हल्के में नहीं ले रहे हैं, जैसे वो यह बात समझेंगे ही नहीं कि हम एक्टर हैं। बता दें कि आमिर खान इससे पहले अपनी फिल्म ठग्स ऑफ हिंदोस्तान के फ्लॉप होने के बारे में बात कर चुके हैं। आमिर खान ने एक पॉडकास्ट में कहा, मुझे भी ठग्स ऑफ हिन्दोस्तान पसंद नहीं थी। आज मैं खुलकर बोल सकता हूँ कि जब फिल्म रिलीज हो रही थी तब मैं खुद ही खुश नहीं था।

पति की पुण्यतिथि पर भावुक हुई मंदिरा

एक्ट्रेस मंदिरा बेदी ने अपने दिवंगत पति राज कौशल की पुण्यतिथि पर इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। 30 जून 2021 को हार्ट अटैक से राज कौशल का निधन हो गया था और आज उनकी चौथी बरसी पर मंदिरा ने उनके साथ एक तस्वीर शेयर की जिसमें दोनों मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ मंदिरा ने लिखा, हमें छोड़े हुए आपको चार साल हो गए। हम आपको याद करते हैं। मंदिरा ने पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि वह अपने पति की पुण्यतिथि नहीं मनाती क्योंकि वह दिन उनके लिए बेहद कड़वी यादें लेकर आता है। इसके बजाय वह राज के जन्मदिन को खुशी से मनाना पसंद करती हैं। मंदिरा ने कहा था, उस मनहूस दिन को क्यों याद करना जो सिर्फ दर्द देता है। मंदिरा और राज ने 1999 में शादी की थी। 2011 में उनके बेटे वीर का जन्म हुआ और 2020 में उन्होंने तारा नाम की बच्ची को गोद लिया। राज कौशल के निधन के बाद मंदिरा ने अपने बच्चों के साथ जिंदगी को फिर से संभालने की कोशिश की है।



‘निकिता रॉय’ की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं सोनाक्षी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा अपनी आने वाली फिल्म ‘निकिता रॉय’ की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित हैं। हाल ही में सोनाक्षी ने एक इंटरव्यू में अपनी एक दबी हुई ख्वाहिश भी जाहिर की। उनसे जब पूछा गया कि वह एक अभिनेत्री के तौर पर अब आगे क्या करना चाहती हैं, तो ‘दबंग’ फेम सोनाक्षी ने कहा कि वह अब ऐसे किरदार की तलाश में हैं जो उन्हें नए सिरे से चुनौती दें और स्क्रीन पर एक अलग अंदाज में पेश करें।

सोनाक्षी ने साफ कहा कि वह ऐसा कुछ नहीं करना चाहती जो वह पहले कर चुकी हैं या जो वह अपनी नॉंद में भी कर सकती हैं। वह चाहती हैं कि उनका अगला किरदार उन्हें सचमुच में नई चुनौती दे और उनके कंफर्ट जोन से बाहर ले जाए। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि वह पिछले कई सालों से अलग-अलग और चुनौतीपूर्ण किरदारों का चुनाव कर रही हैं। सोनाक्षी ने बताया कि उन्हें नई चीजें करना हमेशा से अच्छा लगता है और इसमें उन्हें काफी मजा भी आता है। इसी बातचीत में उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी पीरियड ड्रामा या बायोपिक में काम करने की ख्वाहिश रखती हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले हीरामंडी जैसी पीरियड ड्रामा सीरीज जरूर की है लेकिन बायोपिक करने का अनुभव अभी बाकी है। उन्होंने साफ कहा कि उन्हें बायोपिक का हिस्सा बनना बहुत पसंद आएगा और वह इस दिशा में जरूर काम करना चाहेगी। इस बीच सोनाक्षी ने अपनी 2012 की फिल्म ‘सन ऑफ सरदार’ के सीक्वल का हिस्सा न होने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि फिल्म की कहानी अब शायद किसी और दिशा में जा रही है और इसमें नए किरदार जोड़े गए हैं। सोनाक्षी ने कहा कि वह इस बदलाव को पूरी तरह से समझती हैं और उसका सम्मान करती हैं। उन्होंने कहा कि अब वह प्रोफेशनल तरीके से सोचती हैं और इतने साल इंडस्ट्री में काम करने के बाद ये बातें समझ आ जाती हैं। सोनाक्षी ने कहा कि यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है और इसका उन पर कोई असर नहीं पड़ता।

निकिता की जूड लॉ से मुलाकात, फैस खुश

अभिनेत्री निकिता दत्ता इन दिनों छुट्टियां मना रही हैं और हाल ही में उनके साथ एक ऐसा खास पल जुड़ गया जो हर सिनेमा प्रेमी का सपना होता है। छुट्टियों के दौरान निकिता की मुलाकात उनके पसंदीदा हॉलीवुड अभिनेता जूड लॉ से हुई। इस खास मुलाकात की एक तस्वीर उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर साझा की और इसे अपना फैनगर्ल मोमेंट कहा। तस्वीर में निकिता और हॉलीवुड फिल्मों सरलॉक होम्स और द हॉलीडे फेम जूड लॉ मुस्कुराते नजर आए, जिसने उनके फैस का दिल जीत लिया। हालांकि निकिता ने फोटो के कैप्शन में ज्यादा कुछ नहीं लिखा, लेकिन उनकी मुस्कान और चेहरे की खुशी ने साफ जता दिया कि अपने फेवरेट स्टार से मिलना कितना यादगार अनुभव रहा। निकिता की इस मुलाकात पर उनके प्रशंसक जमकर प्यार लुटा रहे हैं। हाल ही में निकिता दत्ता, सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के साथ फिल्म ज्वेल थीफ में नजर आई थीं, जिसमें उनके संतुलित और असरदार अभिनय की काफी तारीफ हुई और उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई।



ब्रीफ न्यूज

कलेक्टर ने की आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट (आभा) आईडी बनाने की अपील

अशोकनगर। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत देश में स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलाईजेशन के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक का आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट (आभा) आईडी निर्मित किया जाना है। आभा आईडी के माध्यम से नागरिकों के स्वास्थ्य का डिजिटलाईजेशन किया जायेगा। जिससे नागरिकों को ईलाज के समय समस्त रिकार्ड ले जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके माध्यम से स्वास्थ्य संस्था एवं मरीज दोनों को सुविधा होगी। कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा सभी नागरिकों से आभा आईडी बनाने हेतु अपील की है। कलेक्टर ने आंगनबाडी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं स्वसहायता समूह के सदस्यों जो हितागहियों के सीधे सम्पर्क में रहते हो उनके माध्यम से भी आभा आईडी बनाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही विद्यालयों में भी विशेष केम्प करते हुये आभा आईडी के संबंध में छात्रों का सहयोग लेने के निर्देश संबंधित विभागों को दिये गये हैं।

विमुक्त घुमंतु एवं अर्द्धघुमंतु समुदाय के विद्यार्थी कोशिश हेतु 3 अग्रस्त तक कर सकते हैं आवेदन अशोकनगर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार की सीड योजना के तहत विमुक्त घुमंतु एवं अर्द्धघुमंतु समुदाय के वह विद्यार्थी जो 12वीं पूर्ण कर चुके है या वर्तमान में अध्यनरत है। जिनकी कोशिश आय 8.00 लाख से अधिक न हो एवं अन्य किसी सरकारी योजना से समान लाभ प्राप्त न कर रहे हो। ऐसे विद्यार्थी को योजना के अंतर्गत परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण के तहत फ्री कोचिंग प्रदाय की जा रही है। कोचिंग हेतु विद्यार्थी लिंक के माध्यम से 03 अग्रस्त तक आवेदन कर सकते है।

महिला बाल विकास अधिकारी ने किया आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण

अशोकनगर। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती चन्द्रसेना भिडे द्वारा अशोकनगर ग्रामीण परियोजना के सेक्टर त्रुमैन के आंगनबाडी केन्द्रों का भ्रमण किया गया। ग्राम नगेश्री में समूहों द्वारा नियमित खाना/नाश्ता नही दिया जा रहा था, इसलिये समूह सदस्यों को बुलाकर चर्चा की गई। इसके साथ ही अंतिम चेतावनी पत्र भी समूहों को दिया गया। जिसमे विशेष रूप से लेख किया कि यदि 03 जुलाई से आंगनबाडी केन्द्र पर नाश्ता/खाना समय पर मेन्सू अनुसार नही दिया गया तो समूहों का अनुबंध आंगनबाडी केन्द्र एवं शाला से समाप्त करने की कार्यवाही की जायेगी। शासकीय भवन की स्थिति ठीक न होने के कारण आंगनबाडी कार्यकर्ता को आज ही केन्द्र संचालन का स्थल बदलने की कार्यवाही करने के लिखित निर्देश दिये। ग्राम इंग्लेखित में भी आंगनबाडी केन्द्र संचालन का स्थल बदलने के निर्देश सेक्टर पर्यवेक्षक को दिये गये। आंगनबाडी केन्द्र मढी त्रुमैन में केन्द्र संचालन व्यवस्थित पाया गया एवं बच्चों के बजन मापन कर क्राॅस चैक किया गया। जिसमें स्थिति संतोष जनक पाई गई।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 की तैयारियों को लेकर नगर पालिका एक्शन मोड

सत्ता सुधार ■ सीहोर

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 की तैयारियों को लेकर नगर पालिका सीहोर एक्शन मोड में नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर व सीएमओ सुधीर कुमार ने किया वार्डों का दौरा, नागरिकों से ली फीडबैक स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 की तैयारियों को लेकर नगर पालिका परिषद सीहोर द्वारा सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुधीर कुमार ने नगर के विभिन्न वार्डों का दौरा कर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर प्रमुखों ने क्षेत्रीय नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को जाना। कई स्थानों पर नालियों की सफाई, कचरा संग्रहण, जलभराव और आवारा मवेशियों जैसी समस्याओं की जानकारी मिलने पर अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारी अमित यादव सहित नगर पालिका के अन्य अधिकारी एवं



सफाई निरीक्षक भी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान अध्यक्ष व सीएमओ ने सफाई कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्वच्छता सिर्फ अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा एक सतत प्रयास है। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे स्वच्छता में भागीदार बनें, कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें और खुले में कचरा फेंकने से बचें, जिससे सीहोर नगर को स्वच्छ और

सुंदर बनाया जा सके। अधिकारियों ने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी और जहां आवश्यकता होगी, वहां त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। नगर पालिका परिषद का यह निरीक्षण दौरा स्वच्छता को लेकर संजीदगी और जनसहभागिता की भावना को मजबूत करता है, जो स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में बेहतर प्रदर्शन के लिए एक सशक्त कदम है।

अतिक्रमणकारियों को 24 घंटे का अल्टीमेटम जिला प्रशासन और नपा के अधिकारी पहुंचे

सत्ता सुधार ■ सीहोर

शहर के सबसे व्यस्ततम मागजू भोपाल नाका से कोतवाली चौराहा तक करीब एक किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। नगर पालिका इस परियोजना पर 5 करोड़ रुपए खर्च करेगा। निर्माण कार्य शुरू करने से पहले सड़क के दोनों ओर हुए अतिक्रमण को हटाया जाएगा। नपा ने अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए थे, इसके बाद भी अनेक अतिक्रमणकारी जमा हुए हैं। अतिक्रमणकारियों को हटाए जाने के लिए जिला प्रशासन और नगर पालिका के अमले ने 24 घंटे की चेतावनी दी है। इसके पश्चात अतिक्रमण अमले के द्वारा अतिक्रमण हटाया जाएगा और इस पर होने वाला खर्च अतिक्रमणकारियों को भुगतना पड़ेगा। इसको लेकर



नगर पालिका सीएमओ सुधीर सिंह आदि ने अमले को निर्देश दिए हैं। इसके अलावा राजस्व विभाग के पटवारी संजय राठौर ने बताया कि हमारे द्वारा लंबे समय पहले अतिक्रमणकारियों को नोटिस और लाल मार्क लगाए थे। इसको लेकर नगर पालिका के अधिकारी का कहना है कि पूर्व में इसका भूमि पूजन सीएम डॉ. मोहन यादव और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया था, इस मार्ग को बनाए जाने से पहले अतिक्रमण

को हटाया जाने की कार्रवाई जारी है। सड़क के दोनों ओर पेवर ब्लॉक से फुटपाथ का निर्माण होगा और बीच में डिवाइडर बनाया जाएगा। डिवाइडर पर लाइटिंग के साथ पेड़-पौधे भी लगाए जाएंगे। अतिक्रमणकारियों को 24 घंटे के अंदर खुद से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया है। रियोजना का टेंडर पहले ही जारी किया जा चुका है और अतिक्रमण हटते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

पटवारी के विरूद्ध मुंगावली थाने में दर्ज झूठी एफआईआर को निरस्त करने की मांग

जिला कांग्रेस ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक मामले को लेकर वीडियो जारी करने पर जिले के मुंगावली थाने में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर हुई फिर के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बुधवार को पुलिस महानिदेशक के नाम पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया।

जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष राजेंद्र कुशवाहा ने बताया कि पुलिस थाना मुंगावली जिला अशोकनगर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओ के अन्तर्गत झूठे तथ्यों के आधार पर एफआईआर क्रमांक 02333 दिनांक 27.06.2025 दर्ज की गई है। जिसमें उल्लेखित किया गया है कि गजराज लोधी एवं रघुराज लोधी निवासी ग्राम मूढरा थाना मुंगावली जिला अशोकनगर के साथ सरपंच के पुत्र विकास एवं उनके साथियों द्वारा दोनों लोधी भाईयों के साथ मारपीट की गई है, उनकी मोटर साइकिल छीन ली गई है, उक्त घटना के संबंध में दिनांक 25.06.2025 को प्रदेश अध्यक्ष श्री पटवारी के ओरछा दौरा कार्यक्रम के दौरान भेंट कराई गई। जिसमें आरोप लगाया गया



कि श्री पटवारी ने गजराज लोधी एवं रघुराज लोधी पीड़ित भाईयों को यह समझाया कि यह कहना कि तुम्हे मारपीट के साथ-साथ मानव मल भी खिलाया गया है, यदि ऐसा कहोगे तब मोटर सायकिल भी दंगा तथा परिवार का ध्यान भी रखूंगा। उक्त घटनाक्रम के वार्तालाप को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा घटना के विवरण का वीडियो वायरल किया गया। उपरोक्त घटनाक्रम का वीडियो वायरल होने पर जिला कलेक्टर अशोकनगर द्वारा पीड़ित लोधी बंधुओं को तलब किया गया एवं मानव मल खिलाने की

शर्मानाक घटना से उनके जिले की बदनामी रोकने के उद्देश्य से डरा धमकाकर पीड़ित व्यक्तियों से शपथ पत्र लिया गया। जिसमें उपरोक्त घटनाक्रम के संबंध में लिखा गया जो कि पुलिस में दर्ज एफआईआर में उल्लेखित है। आश्चर्य की बात यह है कि उन परिस्थितियों की जांच होनी चाहिए कि 25.06.2025 को पीड़ित व्यक्तियों द्वारा प्रदेश को अपनी शिकायत दर्ज कराई हो और उसके दूसरे दिन 26.06.2025 को वह बिना किसी कारण के कैसे कलेक्टर अशोकनगर को शपथ

पत्र दे सकते हैं कि मानव मल खिलाने का स्टेटमेंट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के कहने पर दिया गया है। यह राजनीतिक द्वेष भावना से किये जाने वाला पडर्यत्र है। दिनांक 25.06.2025 को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के साथ पीड़ित लोधी बंधुओं द्वारा की गई शिकायत का वीडियो वायरल होने पर जिला कलेक्टर द्वारा डरा धमका कर गलत शपथ पत्र लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत अपराधी साजिश करना, धर्म जाति के आधार पर आपसी दुश्मनी को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक होना, झूठे तथ्यों को सच के रूप में प्रस्तुत करना और सार्वजनिक उपद्रव फैलाने के लिए साजिशकर्ता मानकर एफआईआर दर्ज की गई। आश्चर्य कि बात यह है कि दिनांक 25.06.2025 को ग्राम मूढरा निवासी गजराज लोधी एवं रघुराज लोधी जिनके साथ गांव के दबंग सरपंच पुत्र द्वारा अपने साथियों के साथ मारपीट की जिसके लिए शिकायत होने पर भी उन्हें न्याय ना मिलने पर उनके द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से सम्पर्क स्थापित कर अपनी शिकायत दर्ज कराई गई।

जिले के लिए शर्मनाक, शौचालय में संचालित शिक्षा का मंदिर



सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

विकास के बड़े-बड़े दावे करने वालों के लिए जिले से एक शर्मनाक और हैरान करने वाली खबर सामने आई है,जहां शौचालय में शिक्षा का मंदिर संचालित हो रहा है। अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मेंनाई बरखेड़ा के गांव सेमरी अहीर से शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां शासकीय

होना पड़ा बारिश के मौसम में विद्यालय की बिल्डिंग चुचा रही है। बिल्डिंग से पानी टपक रहा है,और बच्चे शौचालय में पढ़ाई कर रहे हैं। लेकिन रहनुमाओं की नजर का इंतजार है। जिले की जनपद पंचायत अशोकनगर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मेंनाई बरखेड़ा के गांव सेमरी अहीर से शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां शासकीय

प्राथमिक विद्यालय सेमरी अहीर में मात्र 10 छात्र और 2 शिक्षक पदस्थ हैं, लेकिन विद्यालय में कश् की बजाय तीन लाख रुपये का शौचालय बना दिया गया है। चौकाने वाली बात यह है कि बच्चों को पढ़ाई के लिए उचित कक्षा-कक्ष उपलब्ध नहीं है, जिससे मजबूरी में बच्चों को शौचालय में बैठकर पढ़ाई करनी पड़ रही है।

इनका कहना

अभी स्कूल की बिल्डिंग चुचा रही है, दिल्लान में लगा रहे थे स्कूल,जगह नहीं है, तो शौचालय में बिठाल लिए थे बच्चे। हम यहां 10-15 साल से हैं, हमने स्कूल के लिए मांग की है, बार-बार आवेदन दिए हैं, डीईओ ऑफिस से बोलेते हैं, बजट आ रहा है, कर देंगे। मुनेश रघुवंशी, शिक्षक शासकीय प्राथमिक विद्यालय सेमरी अहीर विकासखंड व जिला अशोक नगर में दिखवा लेता हूं,

आदित्य सिंह,कलेक्टर अशोकनगर।

ग्रामीणों ने विधायक प्रतिनिधि जायसवाल को दिया स्मार्ट मीटर के विरोध में ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

स्मार्ट मीटरों की बिलिंग पेंशन राशि से गुजारा करने वाले बुजुर्गों के लिए टेशन बन गई है। निपानिया के अनेक वृद्धजन पेंशन राशि 600 रुपये माह में बमुश्किल गुजारा करते है घर में भी एक बल्य पंखा चलाते है ऐसे लोगों को विद्युत वितरण कंपनी ने हजारों रुपये के बिजली बिल थमा दिए है स्मार्ट मीटरों से हैरान परेशान ग्रामीणों ने विधायक कार्यालय पहुंचकर विधायक प्रतिनिधि राजकुमार जायसवाल रिक् को ज्ञापन देकर स्मार्ट मीटर निकलवाने और बिजली बिल राशि निरस्त



कराने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि हम खेती किसानी करते है बमुश्किल परिवार को पालते है पहले प्रति माह घरों का बिजली बिल दो से तीन सौ रुपये तक आ रहा था, स्मार्ट मीटर लगने के बाद उक्त बिजली बिल की राशि 2000 से 4000 हजार हो गई है। इतनी

राशि जमा करने में हम असमर्थ है। मीटरों की जांच की जाए और बिजली बिल माफ कराया जाए। ग्रामीणों ने समस्या के समाधान कराए जाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में मोहनलाल,राहुल, अशोक, संतोष, मातादीन, राजमल, अर्जुन, संदीप, सुरेश महेश आदि शामिल रहे।

बैठक

स्मार्ट मीटर के संबंध में विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता ने पावर प्वाइंट के माध्यम से दी अहम जानकारीयां

स्मार्ट मीटर से उपभोक्ता अपनी बिजली की खपत को आसानी से देख सकते: नागेश्वर

सत्ता सुधार ■ दमोह

विद्युत उपभोक्ताओं की लगातार आ रही शिकायतों को दूर करने के उद्देश्य से कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देश पर स्मार्ट मीटर को लेकर अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण कम्पनी सुभाष कुमार नागेश्वर की मौजूदगी में कलेक्टर कार्यालय के जनशिक्षा केन्द्र के सभाकक्ष में एक मीडिया वर्कशाप संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अभियंता विद्युत वितरण कम्पनी एम. एल साहू भी उपस्थित थे।

अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण कंपनी सुभाष कुमार नागेश्वर ने मीडिया से चर्चा करते हुये बताया शहर के लोगों में स्मार्ट मीटर को लेकर जो ध्रांतियां हैं, सभी ध्रांतियों को दूर करने के लिये आज सभी पत्रकार जनों को बुलाया गया। उन्होंने बताया विद्युत स्मार्ट मीटर लगने के बारे में



जो फायदे हैं उसके बारे में अवगत कराया गया है कि किस तरीके से उपभोक्ता अपनी प्रतिदिन की विद्युत खपत स्मार्ट मीटर से देख सकते हैं। उन्होंने बताया सप्ताहिक जो खपत है वह भी देखी जा सकती है, महीने की खपत देखी जा सकती है और वह बिजली की कितनी

खपत कर रहे है, कितना उसका बिल आ सकता है, उसका पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा स्मार्ट मीटर लगाते हुए लगभग 1 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, और लगभग 25-26 हजार मीटर लगा चुके थे, कहीं पर किसी प्रकार की ध्रांतिया पैदा नहीं हुई, दक्षता ऐप के माध्यम से रीडिंग

होती है, मीटर रीडर रीडिंग लेने जाता है तो उसकी फोटो लेता है, विद्युत विभाग के अधिकारियों ने अपनी एक टीम बनाकर जांच कराई तो लगभग शहर में 4500 ऐसे उपभोक्ता मिले जिसमें रीडिंग प्रॉपर नहीं हो रही थी या तो फोटोस सही नहीं आ रही थी या मन मर्जी से मीटर रीडर रीडिंग बढ़ाकर नोट की जा रही थी, ऐसे उपभोक्ताओं को सेलेक्ट किया और उनके मीटर्स बदलाना शुरू किए गये। स्मार्ट मीटर के पहले पता ही नहीं था कि उपभोक्ता की विद्युत खपत क्या हैं, जब स्मार्ट मीटर लगे तब उन्हें सही खपत का पता चला और उन्होंने डेटा को देकर डायरेक्ट लाभ उठा सकते हो। मीडिया वर्कशाप में मीडियानजनों से विद्युत से संबंधी शंकाओं एवं प्रश्नों के जवाब अधिकारियों ने दिये।

उपभोक्ता देख सकता हैं, अगर उपभोक्ता देखना चाहे तो मीटर में के.डब्ल्यू लिखा रहता हैं और वह अपना पूरा भार चालू करके देख सकता हैं, कि स्वयं के यहाँ पर कितना किलोवाॅट का लोड चल रहा हैं। कार्यपालक अभियंता विद्युत वितरण कम्पनी एम. एल साहू ने बताया कि एनजीएँ फिफािएंट डिवाइसेज आने लगी है, इस डिवाइस का उपयोग करते है, तो तत्काल बिजली की बचत में राहत उपभोक्ता देख सकते हैं, इसके साथ-साथ यदि आप प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना का लाभ उठाकर करके स्वयं बिजली पैदा करके पावर ग्राड को देकर डायरेक्ट लाभ उठा सकते हो। मीडिया वर्कशाप में मीडियानजनों से विद्युत से संबंधी शंकाओं एवं प्रश्नों के जवाब अधिकारियों ने दिये।



सत्ता सुधार ■ दमोह

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के साथ आज श्रवण मास के त्योंहार को लेकर बांदकपुर व्यवस्थाओ का जायजा लेने पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने भगवान जागेशचवर नाथ, माता पार्वती के दर्शन किये और पूजन अर्चन कर जिले की समृद्धि के

लिये कामना की। इस अवसर पर एएसपी सुजीत सिंह भदोरिया, एसडीएम आरएल बागरी, मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश मेहता, एडवोकेट पंकज हर्ष श्रीवास्तव, एडवोकेट अनुराग और पदाधिकारियों के साथ प्रबंधक पं. रामकृपाल पाठक और क्षेत्रीय नागरिक तथा पुलिस के अधिकारीगण मौजूद थे।



ब्रीफ न्यूज

राजस अशोक मसीही जिला महामंत्री बने

बड़वानी। बड़वानी मध्यप्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष शेष अलीम की सहमति से एवं म.प्र. शासन के पूर्व गृह मंत्री राजपुर विधायक बाला बच्चन, बड़वानी विधायक राजेन्द्र मण्डलोई, सेंधवा विधायक मोटू सोलंकी, म.प्र. कांग्रेस कमेटी अ. स. विभाग के



प्रदेश महामंत्री अजमत मंसूरी की अनुसंशा पर बड़वानी जिला अध्यक्ष डॉ. जावेद

खान ने अशोक मसीही को म.प्र. कांग्रेस अ. स. विभाग के बड़वानी जिला महामंत्री नियुक्त किया है। अशोक मसीही की नियुक्ति पर तुलसीराम यादव, राहुल राठौर, लक्ष्मण चौहान, आशिक मेमन, बलराम यादव, इंदौर सम्भाग के महामंत्री राजपुर सदर खलील मंसूरी, भूपेंद्र सिंह ठाकुर, इरफान मंसूरी, तोफिक मंसूरी, यूसुफ मंसूरी, सेंधवा से कीर्ति कुमार ठाकुर, कय्यूम पटेल, हरचड भाटिया ने बधाई दी।

सुजल प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग

इंदौर। हीरानगर इलाके में बुधवार को सुजल प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लग गई। दो दमकलों ने लगातार पानी फेंककर आग पर काबू पा लिया है। हालांकि दमकलों को संकरी गली होने के कारण घटनास्थल पर पहुंचने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। आग से फैक्ट्री में काफी नुकसान हुआ है। फायर टीम के मुताबिक घटना सुखलिया डी सेक्टर की है। यहां प्रदीप बुदेला, सुजल प्लास्टिक फैक्ट्री का संचालन करते हैं। बुधवार सुबह फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन फैक्ट्री के अंदर प्लास्टिक का सामान रखे होने के कारण आग ने भयावह रूप ले लिया। आग का धुआं काफी दूर से दिखाई दे रहा था। दो दमकलों से करीब 50 हजार लीटर पानी फेंककर आग पर काबू पाया जा सका।



थाना राजपुर में आगामी त्योहारों को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

बड़वानी। थाना राजपुर परिसर में आगामी मोहर्रम, श्रावण सोमवार, शिवडोला, नागपंचमी जैसे धार्मिक पर्वों को दृष्टिगत रखते हुए शांति समिति बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य क्षेत्र में शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना रहा। बैठक में नगर के गणमान्य नागरिकों एवं आयोजकों से पर्वों से संबंधित जानकारी जैसे - जुलूस के निर्धारित रूट, समय, आयोजन स्थलों, भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था आदि पर चर्चा की गई। साथ ही, आयोजकों से सहयोगात्मक भूमिका निभाने एवं नियमों का पालन करने की अपील की गई। बैठक में प्रमुख रूप से तहसीलदार राजपुर, एसडीओपी राजपुर, थाना प्रभारी राजपुर, नगर परिषद सीएमओ, विद्युत विभाग के अधिकारी, नगर के प्रमुख नागरिक, आयोजकगण एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। अधिकारियों ने उपस्थित नागरिकों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

धोबी घाट मैदान को कर्बला मैदान लिखा, नगर निगम के विरोध में उतरे लोग

हनुमान चालीसा का पाठ किया, जय-जय सियाराम के नारे लगाए

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर के लालबाग के पास मैदान में मेले की अनुमति देने और निगम की स्लिप पर कर्बला मैदान लिखे जाने को लेकर हनुमान चौक धोबी घाट मैदान रक्षा समिति के लोगों ने आपत्ति ली है। इसे लेकर उन्होंने प्रदर्शन किया। इस दौरान नगर निगम के खिलाफ नारे भी लगाए।

लोगों का आरोप है कि चंद पैसों के लिए निगम ने ये जमीन किराए पर दे दी। अगर निगम को राजस्व का नुकसान हो रहा है तो हम उन्हें तीन दिन के लिए 9 लाख रुपए देने को तैयार हैं। हमें निगम यहां अखंड रामायण पाठ करने की अनुमति दे। मंगलवार शाम को समिति के लोग मैदान पर जमा हुए और प्रदर्शन शुरू किया। लोग जय-जय सियाराम, अवैध कब्जे मुक्त करो, नगर निगम हाय-हाय, नगर निगम मुर्दाबाद, ये कर्बला

नहीं, हनुमान चौक है के नारे लगाने लगे। इस दौरान हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए हनुमान जी की आरती भी की।

प्रदर्शन करने वालों के हाथ में एक बैनर भी था, जिस पर लिखा

था महापौर जी यह जमीन कर्बला मैदान नहीं, हनुमान चौक धोबी घाट मैदान है। नारेबाजी के बाद प्रदर्शन करने वाले मंदिर के सामने ही जमीन पर बैठ गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे।

प्रदर्शनकारी बोले- आंदोलन करना पड़ा तो करेंगे

प्रदर्शनकारियों ने कहा- मैदान 7 एकड़ का है जबकि तीन एकड़ जमीन का ही शुल्क लिया गया है। इसे लेकर ही हम विरोध करने बैठे थे। हमने अपनी बात रखी है। आगे कलेक्ट्रेट, नगर निगम जाएंगे। आंदोलन करना पड़ा तो वह भी करेंगे। यहां सिद्ध वीर हनुमान मंदिर है। जहां हर मंगलवार-शनिवार को आरती होती है। यहां भव्य मंदिर बनाने की भी हमारी प्लानिंग है।

सुनवाई के दौरान जब निगम के पक्ष में फैसला आया था, हिंदू समाज में खुशी का माहौल था कि यहां से अवैध कब्जा हटेगा। इस मेले के रूप में हमें देखने को मिला है कि किस तरह से नगर निगम ने तीन दिन के लिए कॉमर्शियल मेले के रूप में अनुमति दे दी।

जुलाई के शुरुआती 10 दिनों में तेज बारिश नहीं, टुकड़ों में भीगेगा शहर



बंगाल की खाड़ी में गतिविधि नहीं, जो सिस्टम एक्टिव था, वह भी कमजोर पड़ा

सत्ता सुधार ■ इंदौर

लगातार दूसरे साल जुलाई की शुरुआत अच्छी नहीं हुई है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में किसी भी तरह की मानसूनी गतिविधि नहीं होने व जो सिस्टम सक्रिय था, उसके भी कमजोर पड़ने से अगले 10 दिनों में तेज बारिश के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। यही कारण है कि लगातार दो दिन से हलकी धूप निकल रही है।

हालांकि धूप निकलने, उमस होने से शहर के कुछ हिस्से में

लोकल सिस्टम बनने से 5-10 मिनट की हलकी बारिश होती रहेगी। पिछले साल भी 15 जुलाई के बाद ही मानसून ने रफ्तार पकड़ी थी। पूरे महीने में 9.9 इंच पानी बरसा था। अब तक शहर में कुल 5.2 इंच कुल बारिश हुई है। जुलाई में औसत 12 इंच पानी गिरता है। पिछले तीन सालों को छोड़ दें तो औसत से ज्यादा बारिश इस महीने में हुई है।

जुलाई और अगस्त के साथ सितंबर में भी जमकर बारिश : बारिश के लिहाज से जुलाई और

अगस्त सबसे महत्वपूर्ण रहते हैं। इन महीनों में ही अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में सबसे ज्यादा सिस्टम एक्टिव होकर बरसते हैं। शहर का दायरा तेजी से फैलता जा रहा है। वैसे इंदौर की औसत बारिश 37 इंच है, लेकिन अब कम से कम 40 इंच पानी चाहिए, जिससे बोरिंग अगले साल मार्च-अप्रैल तक साथ दे पाएंगे। हालांकि पिछले 3 सालों में जुलाई बहुत पानीदार नहीं रहा है। इसकी भरपाई अगस्त-सितंबर में होती है।

तीर्थयात्रियों ने दूर पैकेज वाले पर धोखाधड़ी का लगाया आरोप

इंदौर। 150 से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने दूर पैकेज वाले पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। इस मामले में कल मल्हारगंज थाने में शिकायत हुई है। आरोप है कि उनसे रुपए लेकर भोपाल तक ले गए और वहां से सभी तीर्थयात्रियों को वापस लौटना पड़ा।

तीर्थयात्रियों ने मल्हारगंज थाने में शिकायत कर बताया कि उन्होंने दशमाता दूर एंड ट्रेवल्स के अंकित मालवीय से रामेश्वरम, तिरुपति, कन्याकुमारी और मद्रुराई के लिए यात्रा बुक कराई थी। बीती 29 तारीख को तय समय पर 8 बजे सभी ट्रेवल्स वाले के दफ्तर पहुंच गए। समय पर यात्री पहुंचने के बाद भी बसों को आगे नहीं ले जाया गया। यात्रियों का कहना है कि कई बार अंकित को फोन लगाए, लेकिन उसने उठाए नहीं। इसके बाद 12 बजे तीन बसों को इंदौर से निकाला गया। भोपाल पहुंचने में 4 बज गए और रेलवे स्टेशन पर पहुंचने तो पता चला कि ट्रेन छूट गई। स्टेशन पर जाकर पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि किसी प्रकार की बुकिंग नहीं है। उधर, पूरे मामले को लेकर अंकित से बात की गई तो उसने बताया कि यात्रियों ने बस तक पहुंचने में देरी कर दी थी, जिसके चलते ट्रेन छूटी है। ट्रेन की बुकिंग के टिकट भी अंकित ने अपने पास होने का दावा किया है। वहीं उसका कहना है कि उसने हलवाई और अन्य लोगों को भी यात्रा में भेजा था।

छात्रावास एवं आश्रमों की पानी की टंकी की साफ करवाने के निर्देश



सत्ता सुधार ■ बड़वानी

ग्रीष्मकालीन अवकाश के पश्चात् जिले के समस्त छात्रावास एवं आश्रम खुल गये हैं, अतः वर्षाकाल के महेनजर समस्त छात्रावासों एवं आश्रमों की पानी की टंकी की साफ-सफाई बच्चों के स्वास्थ्य के महेनजर अनिवार्य रूप से करवाई जाये। साथ ही छात्रावासों एवं आश्रमों में आरओ वाटर फिल्टर की भी मरम्मत एवं सफाई करवाई जायें, जिससे कि बच्चों को पीने का शुद्ध पानी उपलब्ध हो सके।

जिले के समस्त पेयजल स्रोतों में पीएचई विभाग के द्वारा क्लोरिनेशन का भी कार्य किया जाये। कलेक्टर सुश्री गुंजा सनोबर ने उक्त बातें कलेक्टर कार्यालय बड़वानी में आयोजित समय सीमा बैठक के दौरान कही। इस दौरान

कलेक्टर ने शहरी विकास अधिकरण के परियोजना अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले की समस्त नगरीय निकायों में जर्जर मकानों को खाली करवाया जाये, जिससे कि किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना या दुर्घटना जिले में न हो। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला, अपर कलेक्टर केके मालवीय, संयुक्त कलेक्टर सोहन कनाश, डिप्टी कलेक्टर शक्तिसिंग चौहान सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारी अपने कार्यप्रणाली को सुधार ले, अन्यथा उनके विरुद्ध की गई कार्यवाही के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। बैठक में जिन प्रकरणों पर चर्चा की जाती है, आगामी बैठक में उनका निराकरण प्रस्तुत किया जाये। विद्युत

विभाग के अधिकारियों द्वारा नगरीय निकायों में सुरक्षा के तहत हाईड्रेशन लाइन की जांच की जाये। स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्र कार्य में लापरवाही बरतने वाले जनशिक्षकों एवं बीआरसी को जिला मुख्यालय पर बुलाकर कार्य करवाया जाये। ग्रामवेट स्कूलों के द्वारा मनमंजी से महंगी पाठ्यपुस्तकों की जांच की शिकायत की रिपोर्ट आगामी दो दिवस में प्रस्तुत की जाये। अन्यथा शिक्षा विभाग एवं डीपीसी विभाग के अधिकारी एवं कॉमचारियों को आगामी माह का वेतन रोका जाये। पिछड़ा वर्ग पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति में महाविद्यालय स्तर पर लैबित आवेदनों का निराकरण पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक विभाग के अधिकारी के साथ समन्वय करके शीघ्र करवाया जाये।

शुभारंभ

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना उद्देश्य

निःशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ सेंधवा

प्रियांशी एजुकेशनल कल्चर एंड सोशल सोसायटी एवं देसाई फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से शहर सेंधवा देवाड़ीरी कॉलोनी वार्ड न 01 में निःशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सेंधवा शहर की महिलाओं एवं युवतियों को स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना एवं उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड पार्षद गणेश नरगावे एवं समाजसेवी विजय गोरे उपस्थित रहे। दोनों ने महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु इस पहल की सराहना



की। देसाई फाउंडेशन की ओर से एरिया कोऑर्डिनेटर सुनील प्रजापति ने प्रशिक्षण की महत्ता और इसके भविष्य में रोजगार के अवसरों पर प्रकाश डाला। वहीं, प्रियांशी एजुकेशन कल्चर एंड सोशल सोसायटी की ओर से कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती संगीता चौहान ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती प्रिया गोरे द्वारा किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्राम की महिलाएं एवं युवतियां उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण के माध्यम से वे ब्यूटी एवं पर्सनल ग्रूमिंग से जुड़े विभिन्न व्यावसायिक कौशल सीखकर भविष्य में स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ा सकेंगी।

डॉक्टर्स डे पर निःशुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन



सेंधवा। होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और राधा कृष्ण हॉस्पिटल ने नेशनल डॉक्टर्स डे के अवसर पर निःशुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्घाटन संस्था के संचालक डॉ. पुनीत चौहान और डॉ. मोहित बुदेला ने किया। शिविर में होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति से निःशुल्क चेकअप किया गया तथा दवाई वितरित की गई। संस्था के प्राचार्य डॉ. संजय रूदे, उप प्राचार्य, डॉ. हेमंत खैरनार, डॉ. श्रीराम मंडलोई, डॉ. निलीमा पवार, डॉ. अमित डेहरिया ने सेवाएं दीं। डॉ. सीमा पाटील ने राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस का महत्व बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गीता विष्णेरिया ने किया। डॉ. महेश नागरे ने आधार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डॉ. रेणुका भावसार, डॉ. सपना जाधव, डॉ. सुमतीनाथ जैन, डॉ. पूजा, डॉ. वैभव तिवारी, डॉ. योगिता, श्रीमती कृष्णा, निर्मला, प्रिंस, पवन तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

टोंगा तालाब की बाहरी दीवाल बनाने किसानों ने प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

सबलगढ़। टोंगा का ताला फूटे हुए 01 साल से ज्यादा का समय बीत गया है। अभी तक उसकी बाहरी दीवाल जिससे पानी रोका जाता है। सिंचाई विभाग द्वारा मरम्मत नहीं कराई गई है। इस वर्ष बारिश होने से तालाब में पानी जमा नहीं हुआ है। ग्राउंड वाटर रिचार्ज होना तो दूर की बात है। बल्कि उसके आसपास के गांवों में खेतों में पानी भर गया है। जिससे खरीफ की फसल की बुवाई नहीं हो सकी है और आगे यदि जल भराव की निकासी की व्यवस्था नहीं हुई तो आगे रबी की फसल होना भी मुश्किल हो जाएगा।
कुतुधान, देवपुर माफी, पासोन, पहाड़ी, इटवा, बड़पुरा, रानीपुर सहित लगभग एक दर्जन गांवों के हजार से ज्यादा किसान परिवारों के खेतों में पानी भरा हुआ है, न निकासी की कोई व्यवस्था है और न टोंगा का तालाब की आउटर दीवाल बनाकर पानी रोकने की और न ही ग्राउंड वाटर को रिचार्ज करने की कोई व्यवस्था है। इससे परेशान और छुब्द होकर सैकड़ों की संख्या में किसान एकत्रित हुए उन्होंने रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री सिंचाई मंत्री कलेक्टर एसडीएम के नाम ज्ञापन दिए। इस दौरान जो ज्ञापन तहसीलदार द्वारा लिए गए उन्होंने आगे कार्रवाई के लिए आश्वासन दिया है। लेकिन किसानों ने कहा है कि अगर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो आगे आने वाली 9 जुलाई को सिंचाई विभाग कार्यालय पर प्रदर्शन भी करेंगे और एसडीएम कार्यालय पर भी प्रदर्शन करेंगे।

अवैध रेत उत्खनन के आरोपी को 01 वर्ष का सश्रम कारावास

मुरैना। न्यायालय श्रीमान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अमित प्रताप सिंह द्वारा आरोपी सियाराम सिंह पुत्र विजय बहादुर सिंह गुर्जर, आयु 65 वर्ष, निवासी-ए.बी. रोड कृन्ब के सामने बामौर जिला मुरैना को वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 व भारतीय वन अधिनियम 1927 के अंतर्गत दोषी पाते हुये 01 वर्ष के सश्रम कारावास व कुल 7,000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।
अभियोजन अधिकारी व मीडिया सेल प्रभारी श्रीमती रश्मि अग्रवाल ने बताया कि वनरक्षक प्रवीण खांन को 16 जून 2017 को सुबह गश्त भ्रमण के दौरान मुखबिर की सूचना पर ए.बी. रोड़ पर मुरैना की तरफ आ रहे ट्रैक्टरों की घेराबंदी का प्रयास किया। तभी ट्रैक्टर चालक ने एस.ए.एफ. बल को देखकर ट्रैक्टर खेत में भगाना शुरू कर दिया और थोड़ा आगे जाकर कीचड़ में फंस गया। ट्रैक्टर चालक एस.ए.एफ. बल को अपनी ओर आता देखकर भाग गया। तब ट्रैक्टर ट्रॉली को अपने कब्जे में लेकर ट्रैक्टर का इंजन नंबर ई-2349636 तथा चेसिस नंबर टी.ओ. 052344367 का ट्रैक्टर में चंबल नदी का रेत होने के कारण मौके पर समक्ष पंचान जसी कार्यवाही की गयी एवं पंचनामा तैयार कर अभियुक्त के विरुद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 25, 27, 21, 1927 एवं भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41, 52 के अंतर्गत प्रकरण कायम किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्रीमती बबोता गुप्ता, सहा. जिला लोक अभियोजन अधिकारी, जिला मुरैना द्वारा की गई।

कैलारस में खाद्य विभाग की छापामार कार्यवाही, कई स्थानों पर दूध के नमूने लेकर की सैंपलिंग

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मिलावटी खाद्य पदार्थों पर रोक लगाने मिलावट खोरी के विरुद्ध लगातार कार्यवाही करने के निर्देशों के पालन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने कैलारस में अचानक पहुंचकर कार्यवाही करते हुए कई जाहद से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर सैंपलिंग की कार्रवाई की।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी अवनीश गुप्ता, महेंद्र सिर्रोहिया, अनिल प्रताप सिंह परिहार की टीम ने अचानक कैलारस पहुंचकर दूध डेयरी के दुकानों पर कार्रवाई प्रारंभ की तो अन्य दुकानदारों ने हड़कंप मच गया। कई दुकानदारों ने तो अपनी-अपनी दुकान ही बंद कर दी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की



टीम ने नारायण सिंह बघेल भटपुरा की दुध डेयरी से मिक्सड मिल्क का नमूना लेकर सैंपल की कार्यवाही की। इसी प्रकार त्यागी दुग्ध डेयरी प्रोपराइटर सुखेंद्र त्यागी एमएस रोड कैलारस के यहां से भी मिक्स मिल्क



खोला, तब राजकुमार निकलकर आए और अपनी पत्नी बच्चों से बोला कि मुझे लुटेरों बंद कर गए रुपए और सोना लूट कर ले गए हैं। फरियादी राजकुमार ने बताया कि लुटेरों ने मकान में स्थित खिड़की में हाथ डालकर पेचकस के सहारे गेट की अंदर लगी कुंडी को खोल उसी में से अंदर जाकर लूट की।

जेसीबी मशीन और सरसों बेचकर रजिस्ट्री के लिए रखे थे रुपए

राजकुमार यादव ने एफआईआर में 72 लाख से अधिक नगदी एवं 60 तोला से अधिक सोने के जेवरात लूटे जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। स्थानीय पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर से अज्ञात लुटेरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। राजकुमार यादव ने बताया कि 72 लाख रुपयों से मुझे आज जमीन की रजिस्ट्री भी करवानी थी, रजिस्ट्री के लिए मैंने रुपए का इंतजाम अपनी जेसीबी एवं



विधायक ने लगाए पुलिस पर निष्क्रियता के आरोप

क्षेत्रीय विधायक को जब सरपंच के यहां लूट की जानकारी मिली तो वह भी सरपंच के निवास पर पहुंचे। विधायक पंकज उपाध्याय ने कहा कि जौरा में पुलिस की निष्क्रियता स्पष्ट है, लेकिन जिले भर में पुलिस और अपराधियों की मिली भगत से लगातार लूट, डकैती व चोरी की वारदातें हो रही है तथा मोटरसाइकिल चोरी होने की घटनायें तो आम हो गई हैं। जिले भर में पुलिस शराब माफिया से मिली हुई है, गली-गली, मोहल्ले, मोहल्ले शराब बेची जा रही है। जुआ एवं सट्टा स्थानीय पुलिस के संरक्षण में लगातार चल रहा है स रेत का अवैध धंधा भी पुलिस महीना बांधकर चलवा रही है, यदि 3 दिन में सरपंच के यहां पर हुई लूट और पूर्व में कोई लूट की घटनाओं का खुलासा नहीं किया गया तो नगर की जनता के साथ थाने पर शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

सरसों बेचकर किया था।
बदमाश सीसीटीवी डीवीआर भी ले उड़े, नसेनी से चढ़ने का किया प्रयास

अच्छा डकैती की घटना को अंजाम देने से पहले सशस्त्र बदमाशों ने घर के बाहर लगे सीसीटीवी

इनका कहना है..

रात्रि लगभग 1:30 बजे बदमाश घर के अंदर घुसे हैं और 10 मिनट में 1:40 तक लूट की वारदात को अंजाम देकर राजकुमार को मुक्त कर वहां से भाग निकले। तत्काल सूचना दी गई तो पुलिस मौके पर पहुंची। बदमाश पास स्थित नहर के किनारे से भाग निकले हैं। आसपास कहीं भी सीसीटीवी कैमरे नहीं मिले हैं। लगभग 40 लाख कैश और 60 तोला सोना लूटने की जानकारी सामने आई है। पुलिस द्वारा कई टीमें बनाकर बदमाशों की तलाश की जा रही है।

-नितिन बघेल, एसडीओपी, जौरा

जाने का रास्ता बंद मिलने पर उन्होंने मुख्य गेट से ही प्रवेश करना उचित समझा, मकान के बाहर नसैनी भी लगी हुई मिली है।

आसाराम पर जताया संदेह, इसोफर डोंग हुआ असफल

घटना की सूचना मिलने के बाद एफएसएल टीम भी घटनास्थल सरपंच के घर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया, इसके साथ ही इस्रोफर डोंग को बदमाशों का सुराग लगाने के लिए बुलाया गया, जो राजकुमार के मकान से कूदकर खेतों में होता हुआ आसाराम कुशवाह के मकान तक पहुंचा। उसके आगे भी एमएस रोड के पास स्थित राम जानकी मंदिर तक भी पहुंचा, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। फरियादी राजकुमार ने लूट की इस घटना में आसाराम कुशवाह निवासी चौखट्टा पर संदेह व्यक्त किया है।

मछली का शिकार करने गए युवक का पैर रपटा, कुंवारी नदी में बहा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के बागचीनी थाना अंतर्गत एक युवक देर रात्रि को मछलियों का शिकार करने के लिए सेंथरी ग्राम में कुंवारी नदी पर गया हुआ था, तभी पैर फिसलने से वह पानी में बह गया। सुबह तक वह घर नहीं पहुंचा तो ग्रामीण उसे तलाशने के लिए नदी पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद रेस्क्यू टीम भी मौके पर पहुंच गई है, लेकिन देर शाम समाचार लिखे जाने तक युवक का सब नहीं मिला है। बताया जाता है कि ग्राम मुंद्रावजा निवासी ज्वाला सिंह कुशवाह मंगलवार बुधवार की रात 12:00 के लगभग मछलियों का शिकार करने के लिए सेंथरी ग्राम में कुंवारी नदी पर गया हुआ था, जहां संभवतः पैर फिसलने से वह नदी में बह गया। बारिश के मौसम में इस समय नदी में पानी का तेज बहाव



है, जिससे युवक की डेड बॉडी तलाश में रेस्क्यू टीम को भी परेशानी हो रही है। सुबह युवक घर नहीं पहुंचा तो ग्रामीण एकत्रित होकर नदी पर पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दी।

इसके बाद रेस्क्यू टीम भी वहां पहुंच गई है और लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है, लेकिन युवक का देर शाम तक कुछ पता नहीं चला है।

गाय को बचाने के चक्कर में बस अनियंत्रित होकर पलटी, सवारियां बाल-बाल बची



मुरैना। जिले के सिहोनियां थाना अंतर्गत सिरमिती गांव के पास बुधवार की दोपहर 1:00 बजे के लगभग सवारी से भरी एक यात्री बस का चालक गौवंश को बचाने के चक्कर में हड़बड़ा गया और बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई, जिससे वहां चीख पुकार मच गई, हालांकि इस दुर्घटना में कोई गंभीर घायल नहीं हुआ है। कुछ मामूली घायल हुए लोगों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। बस को पलटते देख आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए और राहत बचाव कार्य में जुट गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से बस को सीधा कराया गया।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित कर दी विदाई

सत्ता सुधार ■ झुण्डपुरा

करन्बे के एवं संकुल केन्द्र शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झुण्डपुरा अन्तर्गत पूर्व में एवं वर्तमान में सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पीएल डंडोतिया, विशिष्ट अतिथि पवन परिहार, अध्यक्षता मनीषा बख्शी सोनी, उपाध्यक्ष यशकांत शर्मा, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल त्रिपाठी, बी आर सीसी मानिक चंद धाकड़ लोकेन्द्र सिंह, नंदकिशोर शर्मा ने सरस्वती पूजन पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। प्राथमिक विद्यालय बुरखूपुरा में पदस्थ प्रश्नानाध्यापक दर्शन लाल जोनवार सहित आर



के शर्मा, रमेश चंद्र शर्मा, देवीप्रसाद, डॉ लोकेन्द्र प्रसाद, बुजेश शुक्ला, महावीर प्रसाद, श्रीराम शर्मा, रामस्वरूप शाक्य, जगदीश जादौन, सामांत जाटव, रमेश जगा, जीवन लाल, रामदयाल सहित 40 सेवा निवृत्त

अधिकारी कर्मचारियों को शॉल-श्रीफल भेंटकर साफा बांधकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे सभी विद्यालयों के शिक्षक विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर खण्डशिक्षा अधिकारी पी

एल डंडोतिया ने कहा, यह शासन की प्रक्रिया है, जो शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, या पहले हो चुके हैं उनसे बहुत कुछ सीखा जा सकता है। हम सब उनके स्वस्थ और निरोगी जीवन की कामना करते हैं। इस मौके पर स्टाफ की ओर से भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन नवल किशोर और रामविलास ने किया। कार्यक्रम में रामजीलाल, दिग्विजय सिंह जादौन, मनीष ओझा, कमलेश शर्मा, कल्याण सिंह बाथम, प्रताप रावत, सुरेन्द्र मुद्गल, अंतिम शर्मा, प्रताप भानु शर्मा, संजीव सोनी सहित सभी शिक्षक साथी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जीतू पटवारी पर दर्ज झूठी एफआईआर को निरस्त करने डीजीपी के नाम कांग्रेस ने दिया ज्ञापन

मुरैना। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के विरुद्ध मुंगावली अशोक नगर में दर्ज की गई झूठी एफआईआर को लेकर जिला कांग्रेस कमटी द्वारा बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया और डीजीपी के नाम नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती दीपाली चंदोरिया को ज्ञापन सांपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि पुलिस थाना मुंगावली जिला अशोकनगर में प्रदेश कांग्रेस कमटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत झूठे तथ्यों के आधार पर एफआईआर क्रमांक 0233,27 जून 2025 दर्ज की गई है। जिसमें उल्लेखित किया गया है कि गजराज लोधी एवं रघुराज लोधी निवासी ग्राम मुडरा थाना मुंगावली जिला अशोकनगर के साथ सरपंच के पुत्र विकास एवं उनके साथियों द्वारा दोनों लोधी भाइयों के साथ मारपीट की गई है।

बिहारी मंदिर पड़ाव में टीनसेड से लटकी मिली शिव मंदिर के पुजारी की लाश, मामला संदिग्ध



पोषण करता था। अमित के दो लड़की एवं एक लड़का तथा पत्नी है। बताया जाता है कि एक-दो दिन से वह घर से गायब था और बीती रात को भी उसका पुत्र उसे देखने के लिए स्टेशन तक गया था, लेकिन वह नहीं मिला। वहां के निवासियों के अनुसार पुराने समय का मकान बना हुआ है और वह घर के दरवाजे से छत पर ना जाकर संभवत मसाला चक्की के बगल से स्थित ओपन सीडी से छत पर गया है। वहां उसके पैट टीनसेड में लटक हुए मिले हैं और रस्सी के द्वारा गले में फांसी का फंदा बनाया गया है। मृतक का एक पैर जमीन पर था तथा दूसरा एक गमले पर रखा हुआ था और वह चड़्डी

बनियान पहने हुए था। सुबह 6:00 बजे के बाद सामने सर्राफा व्यवसाई श्री राम गुप्ता जागे और बाहर निकले तो देखा की छत पर अमित की लाश टंगी हुई थी। यह देखकर उन्होंने तत्काल आसपास के लोगों को एवं कोतवाली पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलने पर सब इंस्पेक्टर शिवम चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा बनाया तथा मृतक का पीएम कराया गया। मोहल्लेवासियों का कहना है कि जिस तरीके से लाश लटकी मिली है, उससे मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। फिलहाल पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

हत्या के मामले में कोर्ट जा रहे चाचा पर भतीजों ने चलाई गोली, गंभीर घायल, ग्वालियर रेफर



पर हत्या का मामला दर्ज हुआ था। रामनिवास मथुरा में पीओपी का कार्य करता है और न्यायालय में तारीख के चलते यहां आया हुआ था। बताया जाता है कि

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के माता बसैया थाना अंतर्गत बिचोली गांव के पास ई-रिक्शा में सवार होकर मुरैना जिला न्यायालय तारीख पेशी पर जा रहे चाचा एवं उसके पुत्र पर खास भतीजो ने गोली चलाकर चाचा को घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। घायल अंधेड़व्यक्ति को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे ग्वालियर रेफर कर दिया गया है। माता बसैया थाना प्रभारी जयपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि एक वर्ष पूर्व रामनिवास पुत्र समोखान प्रजापति उम्र 50 जखोना गद्दी थाना दिमनी के द्वारा घरेलू विवाद के चलते अपने खास बड़े भाई राजेंद्र प्रजापति को लाठी मार दी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। इस मामले में रामनिवास

रामनिवास अपने पुत्र धर्मेन्द्र के साथ माता बसैया थाना अंतर्गत आने वाले ज्वाला सिंह का पुरा गांव में रिश्तेदारी में गया हुआ था और वहां से बुधवार की सुबह 10 बजे ई-रिक्शा में बैठकर मुरैना जिला न्यायालय तारीख करने के लिए जा रहा था, जैसे ही उनका ई-रिक्शा बिचोली गांव के पास पहुंचा, तभी मृतक बड़े भाई के लड़के बंजर, राहुल, भूपेंद्र, सूरज, बख्शी, रवि, बीटी और विष्णु तोमर ने उन्हें घेर कर अवैध हथियार से गोली चला दी, जो रामनिवास के कंधे को छूकर निकल गई और वह घायल हो गया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपीगण मौके से भाग निकले। किसी तरह धर्मेन्द्र अपने पिता को जिला अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे ग्वालियर रेफर कर दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की किवेचना की जा रही है।

बीफ न्यूज

बर्मिंघम में संदिग्ध पैकेट मिलने के बाद भारतीय क्रिकेटरों की सुरक्षा बढ़ी

बर्मिंघम। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले बर्मिंघम में एक संदिग्ध पैकेट मिलने के बाद भारतीय टीम की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। इसके साथ ही भारतीय टीम के होटल से बाहर निकलने पर भी रोक लगा दी गयी। भारतीय खिलाड़ी आम-तौर पर घूमने के लिए आसपास के इलाकों में जाते हैं। भारतीय टीम जिस मुख्य इलाके में रुकी उसके के पास वाले इलाके में एक संदिग्ध पैकेट मिला है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर कहा कि हालात सामान्य हैं पर वह अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहती है। भारतीय क्रिकेटर आमतौर पर टीम होटल के करीबीइलाकों में घूमते हैं और दूसरे टेस्ट के लिए यहां पहुंचने के बाद वे ब्रॉड स्ट्रीट पर जाते थे। अभी कुछ समय के लिए खिलाड़ियों के बाहर निकलने पर रोक रहेगी। वहीं भारतीय टीम ने कुछ खिलाड़ियों ने इस दौरान अभ्यास किया जबकि कुछ ने आराम किया। वहीं बर्मिंघम सिटी सेंटर पुलिस की ओर से कहा गया, “हमने सिटी सेंटर के सेंटेनरी स्कायर के आसपास घेरा बनाया हुआ है और हम एक संदिग्ध पैकेट की जांच कर रहे हैं।” उन्होंने कहा, “हमें दोपहर तीन बजे से ठीक पहले ये जानकारी मिली थी। हमने सुरक्षा के तौर पर कई इमारतों को खाली भी करया है। इस लिए इन क्षेत्रों में न जायें।।” पुलिस ने एक घंटे के बाद सुरक्षा घेरा हटा लिया हालांकि उसके बाद भी भारतीय टीम के इन इलाकों में जाने पर रोक है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दूसरा टी20 भी जीता

लंदन। जेमिमा रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 24 रनों से हराकर पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली है। भारतीय टीम ने पहला मैच भी 97 रनों से जीता था। इस मैच में टॉस जीतकर इंग्लैंड की टीम ने भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी इस मैच से वापसी की पर वह रन बनाने में विफल रही। टीम ने 31 रन देकर 3 विकेट खो दिए थे पर इसके बाद अनुभवी बल्लेबाज जेमिमा रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अच्छी बल्लेबाजी कर स्कोर आगे बढ़ाया। जेमिमा ने 9 चौके और एक छक्का लगाकर 41 गेंदों में 63 रन बना दिये जबकि अमनजोत ने 40 गेंदों में 9 चौकों की सहायता से 63 रन बनाये। ऋचा घोष ने 20 गेंदों में 32 रन बनाए। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 181 रन बनाये। इंग्लैंड की ओर से लॉरेन बेल ने दो जबकि लॉरेन फिलर और एम अररलॉट से एक-एक विकेट लिया। इसके बाद इंग्लैंड की टीम 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 157 रन ही बना पायी इस प्रकार उसे 24 रनों से हार का सामना करना पड़ा। टैम ब्यूमोंट ने 54 जबकि एमी जोन्स ने 32 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज असफल रही।

आलोचना

भारतीय बल्लेबाजों ने खेल में पांच शतक बनाए, लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाज कुछ नहीं कर पाये

गेंदबाजों के बचाव में उतरे अश्विन

एजेंसी ■ चेन्नई

भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताने की आलोचना की है। अश्विन ने कहा कि जिस प्रकार से कहा जा रहा है गेंदबाजी कमजोर रही वह सही नहीं है। यहां तक कि कमेट्री के दौरान भी गेंदबाजों पर ही निशान साधा गया उन्होंने कहा कि शुरुआती बल्लेबाजों ने शतक लगाये पर निचले क्रम के बल्लेबाज असफल रहे जिससे टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। अश्विन ने कहा है कि भारतीय गेंदबाजों के बारे में कमेट्री अपमानजनक रही पर ये भी पुछ जाना चाहिये निचले क्रम के बल्लेबाजों ने रन क्यों नहीं बनाये? एक वीडियो में अश्विन ने कहा कि हार के बाद गेंदबाजों को हार के लिए दोषी बताया गया। उन्होंने बताया कि इंग्लैंड ने जिस तरह चौथी पारी में 370 रनों से ज्यादा स्कोर का पीछ किया है। उसी सिर्फ गेंदबाजो की गलती नहीं थी। अश्विन ने कहा कि



भारतीय बल्लेबाजों ने खेल में पांच शतक बनाए, लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाज कुछ नहीं कर पाये।

उन्होंने कहा, एक बार जब 370 से अधिक रनों के लक्ष्य का पीछ किया गया, तो मुझे लगा कि कमेट्री भारतीय गेंदबाजों के बारे में अपमानजनक हो गई है। ऐसा कहा जाने लगा कि भारतीय गेंदबाज मैच जिताने में असफल रहे पर य नहीं भूलना चाहिये कि बल्लेबाजों

को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने गेंदबाजी को लेकर कहा, टेस्ट में, मुझे लगता है कि मेडन ओवरस को काफी कम आंका जाता है। मुझे जसप्रीत बुमराह द्वारा हाई इकॉनमी रेट के साथ जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन अन्य को कम जाना चाहिए। टेस्ट में, आपको पहले दिन से धीरे-धीरे अपनी गेंदबाजी को विकसित करना होता है और इसका लाभ अंतिम पारी में मिलता है।

गिल-जडेजा नाबाद, क्रिस वोक्स 2 विकेट ले चुके

दूसरा टेस्ट- भारत पहली पारी में 250 पार: 5 बैटर्स पवेलियन लौटे



जैक क्रॉली के हाथों कैच कराया। यशस्वी करुण नायर (31 रन) को बायडन कार्स जायसवाल (87 रन) को बेन स्टोक्स ने पवेलियन भेजा। भारत और इंग्लैंड के

बीच दूसरा टेस्ट मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए। उन्होंने शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन को बाहर करके प्लेइंग इलेवन में नीतिश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और आकाश दीप को मौका दिया। लेकिन अब नीतिश ने अपने प्रदर्शन से टीम मैनेजमेंट और कप्तान को निराश किया है।

इंग्लैंड के खिलाफ सिर्फ एक रन बना सके नीतिश रेड्डी

अब इंग्लैंड दौरे पर अपने पहले ही टेस्ट

मैच में नीतिश रेड्डी बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुए। उन्होंने 6 गेंदों में सिर्फ एक बनाया। वह क्रिस वोक्स की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। नीतिश को लगा कि गेंद उनके स्टंप से काफी दूर है और उन्होंने उसे बिना देखे ही छोड़ने का फैसला किया। लेकिन गेंद की मूवमेंट ने उन्हें चौंका दिया और सीधे उनके स्टंप पर जाकर लगी। इस तरह से उनकी पारी का अंत हो गया। कप्तान शुभमन गिल ने टॉस के समय कहा था कि पिछले मैच में निचले क्रम के बल्लेबाजों ने ज्यादा योगदान नहीं दिया। इसी वजह से उन्होंने बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत किया है। लेकिन अब नीतिश रेड्डी को निचले क्रम पर बेहतरीन बैटिंग करने के लिए प्लेइंग इलेवन में

मौका मिला था, लेकिन उन्होंने कप्तान के कहे को गलत साबित किया है। फ्लॉप प्रदर्शन की वजह से ही वह टीम की नाव बीच मंझधार में ही छोड़कर पवेलियन लौट गए। नीतिश ने ऐसे समय मैदान पर कदम रखा था, जब ऋषभ पंत आउट हो गए और उनको कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर बड़ी साझेदारी करने की जरूरत थी, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके। इससे पिछले मैच में शार्दुल ठाकुर भी अपने नाम के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। तब उनके बल्ले से कुल पांच रन निकले थे और वह गेंदबाजी करते हुए सिर्फ दो विकेट ले पाए थे। ऐसे में कप्तान को प्लेइंग इलेवन में शामिल खिलाड़ी ने फिर धोखा दिया है।

टी20 विश्वकप के लिए 13 टीमें तय, बचे हुए 22 स्थानों के लिए 22 टीमों में होगा मुकाबला

सुपर 8 के मुकाबले होंगे और फिर सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले जाएंगे

एजेंसी ■ मुम्बई

अगले साल की शुरुआत में संयुक्त रूप से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अभी तक 13 टीमें तय हो गयी हैं जबकि बचे हुए सात स्थानों के लिए 22 टीमों के बीच मुकाबला होना है। इस टूर्नामेंट में कुल 20 टीमों को खेलने का अवसर मिलेगा। हैं। इनमें से मेजबान भारत और श्रीलंका सहित कुल 13 टीमें घोषित की गयी हैं जबकि सात और टीमों की घोषणा इस साल अक्टूबर तक होगी। कनाडा की टीम ने इसके लिए क्वालीफाई कर लिया है जबकि यूरोप क्वालीफायर्स के जरिए दो टीमों पर फैसला होगा। ये टूर्नामेंट भी पिछले टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार ही होगा। जिसके तहत पहले 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा। इसके बाद सुपर 8 के मुकाबले होंगे और फिर सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले जाएंगे। मेजबान के रूप में भारत और श्रीलंका को पहले दो स्थान मिलें हैं। उसके बाद अगले 10 स्थानों का पिछले संस्करण में सुपर आठ क्वालीफायर और 30 जून 2024 की कट-ऑफ डेट पर टीम रैंकिंग के आधार पर हुआ। पिछले टी20 विश्व कप 2024 में सुपर 8 में प्रवेश के कारण अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज को 2026 टी20 विश्व कप में



जगह मिली। अमेरिका ने भी टॉप 8 में पाकिस्तान को हराकर प्रवेश किया था। सुपर 8 के आधार पर अगले संस्करण में अपना स्थान तय किस है। अब तक भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कनाडा, इंग्लैंड, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज ने इसके लिए प्रवेश हासिल किया है। इन टीमों के अलावा सात और टीमें इस टूर्नामेंट में खेलेंगी। एक तरह से देखा जाए तो 22 टीमों में बाकी के सात स्थानों के लिए

मुकाबला होगा। एशिया और पूर्वी एशिया पेसिफिक रीजन से तीन टीमें प्रवेश करेंगी, जबकि दो-दो टीमें यूरोप क्वालीफायर और अफ्रीका क्वालीफायर से आएंगी। एशिया-ईस्ट एशिया पेसिफिक रीजन से जापान, कुवैत, मलेशिया, नेपाल, ओमान, पापुआ न्यू गिनी, कतर, समोआ और यूएई की टीमें क्वालीफायर्स खेलेंगी और इनमें से तीन टीमें सीधे टूर्नामेंट में प्रवेश करेंगी। वहीं, यूरोप क्वालीफायर्स में इटली, जर्सी, ग्वेनेस, नीदरलैंड और स्कॉटलैंड की टीम खेलेंगी। इनमें से दो टीमें टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

शमी को हर माह पत्नी व बेटी को देने होंगे चार लाख रुपये : हाईकोर्ट

कोलकाता। कोलकाता हाईकोर्ट ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी को हर माह अपनी पत्नी हसीन जहां व बेटी आयरा को गुजारा भत्ता के तौर पर चार लाख रुपये देने के निर्देश दिये हैं। निर्देश के तहत शमी को पत्नी को डेढ़ लाख और बेटी को ढाई लाख हर महीने खर्च के लिए देने होंगे। हाईकोर्ट की बेंच ने हसीन जहां की एक याचिका पर सुनवाई के बाद ये आदेश पारित किया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा, याचिकाकर्ता पत्नी को 1.5 लाख रुपये प्रति माह और बेटी को 2.5 लाख रुपये प्रति माह दे। अदालत ने यह भी कहा कि शमी अपनी बेटी के लिए निर्धारित राशि से अधिक शिक्षा या अन्य खर्चों के लिए दे सकते हैं। इससे पहले हसीन जहां ने जिला सत्र न्यायालय के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी, जिसमें शमी को 2023 में अपनी पत्नी को 50 हजार रुपये और बेटी को 80 हजार रुपये देने का निर्देश दिया गया था। वहीं हसीन ने अदालत से अपने लिए 7 लाख रुपये और अपनी बेटी के लिए 3 लाख रुपये प्रति माह का मुआवजा मांगा था। हसीन साल 2014 में शमी से शादी से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए मॉडल और वीयरलीडर रही हैं। उनकी बेटी आयरा का जन्म 2015 में हुआ था। हसीन ने शमी पर साल 2018 में धरतू हिंसा, दहेज उल्टीइन का आरोप लगाया था। तभी से दोनों के बीच मामला अदालत में चल रहा है। इन दोनों का अभी तक कानूनी रूप से तलाक नहीं हुआ है।

धवन बोले शुभमन, ईशान के आने से अपना करियर समाप्त होने का अंदाजा हुआ

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि शुभमन गिल और ईशान किशन के आने के बाद ही उन्हें अपने करियर के समाप्त होने का अंदाज हो गया था। इसका कारण है कि शुभमन सभी प्रारूपों में अच्छा कर रहे थे। वहीं ईशान ने एक दौहरा शतक भी लगा दिया था। जब प्रदर्शन कमजोर हो गया तब उन्हें समझ आ गया कि अब उन्हें टीम में जगह नहीं मिलेगी। धवन ने साल 2013 में मोहाली की पिच पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 85 गेंदों में शतक लगाकर टेस्ट डेब्यू में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड बनाया था। उनकी 187 रन की आक्रामक पारी सबसे आकर्षण का केन्द्र रही।



33 टेस्ट में कई अच्छी पारियां खेलने के बाद भी धवन का टेस्ट करियर ज्यादा समय नहीं चला। साल 2018 की इंग्लैंड सीरीज के बाद उन्हें टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया। इस क्रिकेटर के अनुसार उसने प्रयास किया पर तब वह अपने सर्वश्रेष्ठ दौर में नहीं थे। वहीं जब वह

अपने करियर को देखते हैं तो उन्हें काई पछतावा नहीं होता। साथ ही कहा कि मैं पीछे देखता हूं तो खुश हूं कि मैंने जो हासिल किया, वो किसी सपने से कम नहीं है। धवन को टी-20 विश्व कप 2021 में जगह नहीं मिली पर वह समझ गये थे कि अब बदलाव तय है।

काउंटी में ईशान ने लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक लगाया

मैच के बाद भोजपुरी गाने पर डांस करते दिखे

एजेंसी ■ लंदन

भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आजकल इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। ईशान भारत ए टीम के साथ यहां आये थे जिसमें अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें काउंटी क्रिकेट में नॉटिंगमशायर ने अपने यहां शामिल कर लिया था। उसके बाद से वह लगातार छप्पे हुए हैं। ईशान ने काउंटी क्रिकेट चैंपियनशिप डिविजन 1 में लगातार दो मुकाबलों में अर्धशतक लगाये हैं। लीग के दूसरे मुकाबले में ईशान ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए 128 गेंदों में ही 77 रन बनाए हैं। अपनी इस पारी में ईशान ने 8 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं इससे पहले मैच में भी ईशान ने अर्धशतकीय पारी खेली थी। यॉर्कशायर के खिलाफ इस डेब्यू मैच में ईशान ने 98 गेंदों में 87 रन बनाये। इस पारी में इन्होंने 12 चौके और एक छक्का लगाया। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट



चैंपियनशिप डिविजन 1 का 42वां मैच नॉटिंगमशायर और समरसेट के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में सोमरसेट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 379 रन बनाए। वहीं नॉटिंगमशायर ने इसका पीछा करते हुए 125 ओवर में ही 5 विकेट के नुकसान पर 396 रन बना दिये। नॉटिंगमशायर ने ईशान की बल्लेबाजी

से पहली पारी में ही 17 रनों की बढ़त हासिल कर ली। ईशान काउंटी मैच में लंदन की सड़कों पर भोजपुरी गाने पर डांस करते भी दिखे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ हैं। ईशान किशन के साथी क्रिकेटरों का भी कहना है कि जब भी उन्हें अवसर मिलता है वह भोजपुरी गाने पर डांस करने लगते हैं।

साक्षी, जैरिस्मन और लक्ष्य विश्व मुक्केबाजी कप के रवार्टर फाइनल में पहुंचे

अस्लाना। भारतीय मुक्केबाजों साक्षी, जैरिस्मन, मीनाक्षी और लक्ष्य वाहर व मनीष राठौर ने कजाकिस्तान में जारी विश्व मुक्केबाजी कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। इस टूर्नामेंट में महिलाओं के 54 किग्रा भार वर्ग में साक्षी ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की चाली डेविसन को 5-0 से हराया। साक्षी के अलावा जैरिस्मन ने 57 किग्रा वर्ग में अजरबैजान की अयनुर मिकायिलोवा को 5-0 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया।

लॉर्ड कृष्णा पब्लिक हाई स्कूल

Play group, Nursery, LKG, UKG, Admission Open

Let us to 10th classes.

LKG makes education easier for better.

विद्या नगर, मुल्तब शाह दरगाह के पास, सती रोड, सिवपुरी (म.प्र.)

Mobile:9425488667,8770753472,7674832538

विद्या नगर, मुल्तब शाह दरगाह के पास, सती रोड, सिवपुरी (म.प्र.)

Mobile:9425488667,8770753472,7674832538

विद्या नगर, मुल्तब शाह दरगाह के पास, सती रोड, सिवपुरी (म.प्र.)

Mobile:9425488667,8770753472,7674832538

विद्या नगर, मुल्तब शाह दरगाह के पास, सती रोड, सिवपुरी (म.प्र.)

Mobile:9425488667,8770753472,7674832538

लाबुशेन एक बार फिर वापसी करेंगे : स्मिथ

एजेंसी ■ सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ अब खराब फार्म के कारण टीम से बाहर हुए मारनस लाबुशेन के बचाव में उतरे हैं। स्मिथ ने कहा है कि लाबुशेन की प्रतिभा और तकनीक पर किसी को भी संदेह नहीं है और वह फार्म हासिल करने के बाद वह एक बार फिर टीम से खेलते दिखेंगे। लाबुशेन को पिछले कुछ समय से लगातार खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भी वह रन नहीं बना पाये थे। इसी कारण लाबुशेन को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। पूर्व कप्तान के अनुसार वह अपनी तकनीक में कुछ सुधार करने के बाद फिर वापसी करेंगे। स्मिथ ने कहा, ःवह बल्लेबाजी में खराब स्थिति में हैं। मेरा मानना है कि लाबुशेन ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में बहुत अच्छे तरीके से गेंदों का सामना किया वह

बड़ा स्कोर नहीं बना पाये। इस दौरान मूवमेंट्स और बल्लेबाज का अंदाज गलत नहीं था। स्मिथ ने साथ ही कहा, जब वह ऑफ-स्टंप लाइन से ऐसा कर रहे होते हैं, तो मुझे लगता है कि वह अच्छी स्थिति में होते हैं, उनका संतुलन अच्छा होता है और उनके मूवमेंट्स भी अच्छे होते हैं।

मुझे लगा कि वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच नहीं खेला है, और उनके पास कुछ चीजों पर काम करने और उसे बेहतर करने का अवसर है। इसे वह खेल के दबाव के बिना करना चाहेंगे। अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के समय वह विश्व के बेहतरीन बल्लेबाजों की बराबरी करता है। इसलिए मुझे पूरा भरोसा है कि वह एक बार फिर आगे आयेगा।:- डब्ल्यूटीसी फाइनल फाइनल के बाद लाबुशेन की जगह पर शामिल सैम कॉनस्टास भी अब तक अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये हैं पर स्मिथ के अनुसार समय के साथ वह सीख जाएंगे

किसान को 14 दिन तक रखा डिजिटल अरेस्ट, 1.04 करोड़ ठगे

एमबीए पास युवक समेत सात गिरफ्तार

एजेंसी ■ शाहजहांपुर

शाहजहांपुर में प्रगतिशील किसान को डिजिटल अरेस्ट कर एक करोड़ चार लाख रुपये की ठगी की गई थी। इस साइबर ठगी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दिल्ली का रहने वाला आरोपी एमबीए पास है। शाहजहांपुर के चौक कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला दीवान जोगराज निवासी शरद चंद्र सक्सेना को डिजिटल अरेस्ट कर एक करोड़ चार लाख 47 हजार रुपये की ठगी



के मामले में सात आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एमबीए पास युवक समेत सात आरोपी दो से दस प्रतिशत कमीशन

के लिए कार्य करते थे। पुलिस उनके गिरोह के सरगना की तलाश में जुटी है। शरद चंद्र सक्सेना प्रगितशील किसान हैं। उन्हें साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट किया था। धोखाधड़ी के केस में जमानत देने के नाम पर 14 दिन तक फंसाए रखा और फिर बरी होने का प्रपत्र जारी कर मोबाइल फोन बंद कर लिए। इससे पहले उनसे रकम ट्रांसफर करा ली गई थी। एसपी सिटी देवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ठगी के ट्रांसफर हुए रुपयों की जांच शुरू की। पुलिस को एक

40 खातों में ट्रांसफर की गई थी रकम

बुधवार को पुलिस लाइन में पत्रकार वार्ता में एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि अभियुक्तों ने पीड़ित को गुमराह कर खाते में दो करोड़ 80 लाख का गैर कानूनी ट्रांजेक्शन होने की जानकारी दी थी। विभिन्न एजेंसी के अधिकारी बनकर वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट कर लिया था। जमानत व सारे आरोपों से बरी करने के नाम पर चार खातों में एक करोड़ चार लाख 47 हजार रुपये ट्रांसफर कराए गए थे। इसके बाद धनराशि को 40 बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया। एसपी ने बताया कि धनराशि में 71 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन हैदराबाद के कांपोरेट खाते में किया। उसी दिन लगभग तीन करोड़ का ट्रांजेक्शन हुआ। खाताधारक से जानकारी करने पर उसने बताया कि उसके मूल खाते का दुरुपयोग करने के संबंध में साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस की जांच पड़ताल में सात नाम सामने आए। इन सभी को गिरफ्तार कर लिया गया।

ऐसा खाता मिला, जिसके जरिये आरोपी हथ्ये चढ़ गए।

बिजली के निजीकरण के विरोध में देश भर में हुए प्रदर्शन

9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का एलान

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय नेताओं ने आरोप लगाया कि पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और शासन के कुछ बड़े अधिकारियों की कुछ चुनिंदा निजी घरानों के साथ मिली भगत है। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंग्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर बुधवार को देश भर में विरोध-प्रदर्शन हुआ।

निजीकरण के विरोध में हुए प्रदर्शन में बिजली कर्मचारियों, अभियंताओ के साथ ही किसान संगठनों और उपभोक्ता संगठनों ने भी हिस्सा लिया।सभी ने नौ जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हिस्सा लेने का संकल्प लिया। इस दौरान पूर्वांचल और दक्षिणांचल का निजीकरण प्रस्ताव रद्द करने की मांग की गई। विभिन्न राज्यों में विरोध प्रदर्शन में संबंधित राज्यों की बिजली समस्या के साथ ही पूर्वांचल और दक्षिणांचल का मुद्दा उठा। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों और परियोजना कार्यालयों पर हुए



प्रदर्शन में निजीकरण को भ्रष्टाचार की उपज बताया गया। राजधानी लखनऊ में रेंजिडेंसी पर हुए विरोध-प्रदर्शन में काफी संख्या में संयुक्त किसान मोर्चा का बैनर लेकर किसान शामिल हुए। रेंजिडेंसी और मध्यांचल मुख्यालय पर प्रदर्शन के बाद सभा हुई। इस दौरान पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने विद्युत वितरण निगमों में घाटे के भ्रामक आंकड़ों देकर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय लिया है,

जिससे प्रदेश के बिजली कर्मियों में काफी गुस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में गलत पावर परचेज एग्रीमेंट के चलते विद्युत वितरण निगमों को निजी बिजली उत्पादन कंपनियों को बिना एक भी यूनिट बिजली खरीदे 6761 करोड़ का सालाना भुगतान करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त निजी घरानों से बहुत महंगी दरों पर बिजली खरीदने के कारण लगभग 10000 करोड़ सालाना का अतिरिक्त भार आ रहा है। उत्तर प्रदेश में सरकारी विभागों पर 14400 करोड़ का बिजली

राजस्व का बकाया है। प्रदेश सरकार की नीति के अनुसार किसानों को मुफ्त बिजली दी जाती है, गरीबी रेखा से नीचे के बिजली उपभोक्ताओं को 03 रुपये प्रति यूनिट की दर पर बिजली दी जाती है। जबकि बिजली की लागत 07.85 रुपये पैसे प्रति यूनिट है। बुनकरों आदि को भी सब्सिडी दी जाती है। सब्सिडी की धनराशि ही लगभग 22000 करोड़ रुपये है। प्रदेश सरकार इन सबको घाटा बताती है और इसी आधार पर निजीकरण का निर्णय लिया गया है।

निजी घरानों से मिलीभगत का आरोप

प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय नेताओं ने आरोप लगाया कि पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और शासन के कुछ बड़े अधिकारियों की कुछ चुनिंदा निजी घरानों के साथ मिली भगत है। वे लाखों करोड़ रुपये की बिजली की परिसंपत्तियों को कोड़ियों के मोल निजी घरानों को बेचना चाहते हैं। पूर्वोचल में प्रदेश की सबसे गरीब जनता रहती है। दक्षिणांचल में बुंदेलखंड के क्षेत्र में बेरुद गरीब लोग रहते हैं जहां पीने के पानी की भी समस्या है। निजीकरण होने के बाद यहां के उपभोक्ताओं की सब्सिडी समाप्त होने का अर्थ होगा कि उपभोक्ताओं को 10 से 12 रुपये प्रति यूनिट की दर पर बिजली खरीदनी पड़ेगी जो वे नहीं कर पाएंगे। इस प्रकार उत्तर प्रदेश की गरीब जनता को लालटेन युग में धकेला जा रहा है। बिजली कर्मचारियों ने वेतानवीं दी है कि यदि उघीड़न करने की कोशिश की गई तो देश के 27 लाख बिजली कर्मी मूक दर्शन नहीं रहेंगे। वे सड़क पर उतर कर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। जिसकी सारी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी।

कांवड़ यात्रामार्ग पर हर फूड पॉइंट पर लगेगी रेट लिस्ट, आयुक्त डॉ. ऋषिकेश

मालिक की जानकारी व क्यूआर कोड होगा शामिल

सत्ता सुधार ■ मेरठ

कांवड़ यात्रा मार्ग पर हर भोजनालय व फूड पॉइंट पर अब रेट लिस्ट लगाना जरूरी होगा। दुकान पर मालिक का नाम, रजिस्ट्रेशन नंबर और एक क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य होगा। खुद आयुक्त डॉ. ऋषिकेश भास्कर यशोद ने व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। मेरठ में कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को शुद्ध व गुणवत्तापूर्ण भोजन मिले, इसके लिए प्रशासन ने विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। मेरठ मंडल के आयुक्त डॉ. ऋषिकेश भास्कर यशोद ने जानकारी दी कि कांवड़ मार्ग पर स्थित हर खाने-पीने की दुकान पर रेट लिस्ट, मालिक की जानकारी और रजिस्ट्रेशन नंबर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग रखेगा निगरानी

आयुक्त ने बताया कि खाद्य सुरक्षा विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि हर दुकान पर फूड सेफ्टी



रजिस्ट्रेशन का प्रमाण पत्र लगा हो, जिसमें दुकानदार का नाम और पंजीकरण संख्या स्पष्ट रूप से दर्ज हो। इससे यात्रियों को दुकानों की प्रामाणिकता की जानकारी मिलेगी।

क्यूआर कोड से मिलेगी पूरी डिटेल

डॉ. यशोद ने बताया कि हर दुकान पर एक क्यूआर कोड भी लगाया जाएगा, जिसे स्कैन

करके कांवड़ यात्री दुकानदार और पंजीकरण से जुड़ी जानकारी तुरंत प्राप्त कर सकेंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह है कि कांवड़ियों को उनकी यात्रा के दौरान शुद्ध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके।

व्यवस्था से बढ़ेगा भरोसा और पारदर्शिता

प्रशासन को उम्मीद है कि इस कदम से न केवल खाने की दुकानों पर निगरानी बढ़ेगी, बल्कि कांवड़ यात्रियों को भी भरोसेमंद विकल्प मिलेंगे और शिकायतों की संभावना कम होगी।

हाईकोर्ट पहुंचा सरकारी स्कूलों के विलय का मामला

लखनऊ। यूपी में सरकारी स्कूलों के विलय का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए कोर्ट ने 3 जुलाई की तारीख तय की है। उत्तर प्रदेश के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर (विलय) आदेश को हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में चुनौती दी गई है। याचिकाओं पर 3 जुलाई को सुनवाई की जाएगी। पहली याचिका, सीतापुर के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले 51 बच्चों ने दाखिल की है। जबकि, इसी मामले में एक अन्य याचिका भी दाखिल हुई है। 16 जून को जारी उस आदेश को चुनौती देकर रद्द करने का अग्रह किया गया है जिसके तहत प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों की संख्या के आधार पर उच्च प्राथमिक या कंपोजिट स्कूलों में विलय करने का प्रावधान किया गया है।

मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर तौफीक गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से घायल

बरेली। बरेली में शेरगढ़ थाने से हिस्ट्रीशीटर घोषित तौफीक उर्फ गुड्डू को बहेड़ी पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 28 मुकदमे दर्ज हैं। बरेली के बहेड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने मंगलवार रात मुठभेड़ के बाद हिस्ट्रीशीटर तौफीक उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस की गोली लगने से हिस्ट्रीशीटर घायल हो गया।

आषाढ़ी एकादशी विशेष

पंढरपुर वारी के लिए एसटी ने 5200 बसों की व्यवस्था की

शिवानी शर्मा ■ पुणे

विद्युत-रकमिणी के दर्शनार्थ पंढरपुर की ओर रवाना हो रहे लाखों वारकरूयां (भक्तों) की सुविधा के लिए महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल (एसटी) ने 5,200 विशेष बसों की व्यवस्था की है। यह सेवा 5, 6 और 7 जुलाई को आषाढ़ी एकादशी के दौरान संचालित की जाएगी। परिवहन मंत्री व एसटी महामंडल अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विशाल सेवा को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए ड्राइवर, कंडक्टर, यात्रिक कर्मचारी और पर्यवेक्षकों की टीम दिन-रात मेहनत कर रही है। उनकी सेवा भावना को देखते हुए तीन दिनों तक चाय, नाश्ता और व्रतानुसार भोजन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। वारकरी विठोबा की सेवा करते हैं,



और एसटी कर्मचारी वारकरूयां की सेवा – इस पुण्य कार्य में योगदान देना मेरे लिए सौभाग्य है, मंत्री सरनाईक ने कहा। खास बात यह है कि यह भोजन स्वयं मंत्री सरनाईक अपने निजी खर्च से उपलब्ध करा रहे हैं। चंद्रभागा बस स्टेशन, भीमा स्टेशन, विठ्ठल और पांडुरंग बस स्टेशनों पर यह सुविधा उपलब्ध होगी। एसटी कर्मियों की बरसात, गर्मी और भीड़ के बीच ड्यूटी को नमन करते हुए मंत्री ने घोषणा की कि यह पहल अब हर वर्ष आषाढ़ी वारी के दौरान नियमित रूप से लागू की जाएगी।

अब 'एस्ट्रोप्रेन्योर' कहलाएंगे ज्योतिषी: डॉ. मिलिंद पांडे

पुणे। ज्योतिष शास्त्र अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि व्यवसाय और उद्यमिता का एक नया क्षेत्र बनता जा रहा है। इसी विचार को बल देते हुए डॉ. मिलिंद पांडे ने ज्योतिष महोत्सव के उद्घाटन सत्र में कहा कि ज्ञान और श्रद्धा के बीच संतुलन साधते हुए ज्योतिष का अभ्यास करना ही आज के युग की मांग है।

उन्होंने यह भी प्रस्ताव रखा कि जैसे अन्य व्यवसायों में कार्यरत लोगों को एंटरप्रेन्योर (उद्यमी) कहा जाता है, वैसे ही ज्योतिष के क्षेत्र में काम करने वाले विद्वानों को अब 'एस्ट्रोप्रेन्योर' के रूप में पहचाना जाना चाहिए। डॉ. पांडे ने एक महत्वपूर्ण तथ्य भी साझा किया कि वर्तमान समय में देशभर में करीब 20 लाख से अधिक लोग ज्योतिष से जुड़े व्यवसाय में कार्यरत हैं।

अब जमीन, मकान, दुकान खरीदना होगा और महंगा

प्रशासन ने 10 वर्ष के बाद जारी किया नया डीएम सर्किल रेट

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

प्रशासन ने 10 वर्ष के बाद नया डीएम सर्किल रेट जारी कर दिया है। इसके बाद से जमीन, मकान और दुकान खरीदना और महंगा हो जाएगा। ये रेट एक अगस्त से लागू किए जाएंगे। राजधानी लखनऊ में अब जमीन, मकान, दुकान खरीदना और महंगा हो जाएगा। 10 वर्ष बाद प्रस्तावित नया डीएम सर्किल रेट जारी किया गया है। आपत्तियां दूर करने के बाद एक अगस्त से इसको लागू किया



जाएगा। नये डीएम सर्किल रेट में कृषि भूमि पर 15, व्यावसायिक पर 25 और बहुमंजिला भवनों पर 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। दुकान, कार्यालय व गोदाम पर औसतन 20 फीसदी की वृद्धि की गई है। गैर कृषि भूखंड व भवन, जिसकी चौहद्दी में यदि कोई व्यवसायिक गतिविधि है, तो ऐसे भूखंडों व भवनों की दर निर्धारित करने के बाद 20 फीसदी मूल्य बढ़ाया जाएगा।

हिन्दी

PRADEEP SIR

(M.A., B.Ed., NET, SET CTET)

PSC MPSI SSC-GD NET

SET CTET PGT TGT

Patwari शिक्षक

पात्रता परीक्षा वर्ग-1

वर्ग-3 UPSI

जी.डी.ए. के सामने, दुवे जी की विल्डिंग, 2nd फ्लोर साई बाबा मंदिर रोड़, ग्वालियर

Mob. : 9926248235, 9109325244

शॉर्ट हैण्ड स्टेनो

क्लासेस

प्रवेश प्रारम्भ

STENO DCA

CPCT TALLY

90396-59196, 88391-48078

Dir. Ankit Sir

8 सॉक्सी पुल, कस्तूर होटल | फूलबाग

CORPORATE Gifting Solution

GIFTS

TOH SIRF HUMSE

+91 - 9993106789, 7771000255

giftslo123@gmail.com

OUR PRODUCTS

- Customised Wallet
- Customised Pen
- Customised Keychain
- Customised Bottle
- Customised Mug
- Customised Ring
- Customised Pendant
- Customised Passport Cover
- Customised Sunglasses Holder
- Customised Bracelet
- Customised Cap
- Customised Hampers

ALL TYPE OF CUSTOMISED ITEMS AVAILABLE